''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 275 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शुक्रवार, 20 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद रैली में की बड़ी घोषणाएं

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में धन्यवाद रैली को संबोधित करते हुए हल्का वासियों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि पूंडरी को जल्द ही उपमंडल का दर्जा दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उप मंडल या जिला घोषित करने के संबंध में कमेटी गठित की हुई है और पूंडरी को उप मंडल बनाने के संबंध में कमेटी के पास आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जैसे ही कमेटी की रिपोर्ट आएगी, उसके बाद इसे उपमंडल का दर्जा दिया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि पूंडरी हलके में 5 करोड़ रुपये की लागत से स्कूलों के पुराने भवनों की मरम्मत और नवीनीकरण किया जाएगा।

गांव फतेहपुर और बदनारा में भूमि उपलब्धता के आधार पर हेल्थ सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने मंडी बोर्ड की सड़कों की मरम्मत के लिए 5 करोड़ रुपये तथा लोक निर्माण विभाग की सड़कों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 10 करोड़ रुपये की राशि देने की भी घोषणा की। नायब सिंह सैनी ने आरडी 0-28000 चंदलाना माइनर की मध्यवर्ती संरचना का पुनर्वास का कार्य करवाने, आरडी 0-48,600 तक थरोटा माइनर का पुनर्वास और आरडी 48,600-54,200 तक माइनर की संरचना की मरम्मत करवाने की भी घोषणा की। इसके अलावा, उन्होंने ग्राम कौल में विश्राम गृह के नवीनीकरण करने तथा पूंडरी नगरपालिका एवं फतेहपुर गांव में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सांच गांव में राजकीय हाई स्कूल को सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अपग्रेड करने की भी घोषणा की। इसके अलावा, पाई में कबड्डी अकादमी के नवीनीकरण के कार्य को तेज गति से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैथल-करनाल-पूंडरी बाईपास की व्यवहार्यता चेक कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने उपरोक्त घोषणाओं के अलावा पूंडरी के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये की राशि देने की भी घोषणा की। धन्यवाद रैली के दौरान मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपये की लागत से 3 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें पूंडरी सड़क से सेगा सड़क तक फिरनी का निर्माण, नीलोखेड़ी कारसा ढांड रोड के अलावा 6 अन्य सड़कों का सुदृढ़ीकरण शामिल है। कार्यक्रम में सांसद श्री नवीन जिंदल, विधायक श्री सतपाल जाम्बा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

खनौरी बार्डर पर किसानों के बीच पहुंचे सांसद दीपेंद्र हुड्डा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। सांसद दीपेंद्र हुड्डा आज सांसद जयप्रकाश 'जेपी', सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, सांसद वरुण चौधरी, विधायक अशोक अरोड़ा, विधायक रामकरण काला, विधायक नरेश सेलवाल, विधायक इंदुराज नरवाल, विधायक जस्सी पेटवाड़, विधायक देवेन्द्र हंस, विधायक विकास सहारण पूर्व विधायक मेवा सिंह, पूर्व विधायक रामभज लोधर के साथ खनौरी बार्डर पर किसानों के बीच पहुंचे और पिछले 24 दिनों से अनशन पर बैठे सरदार जगजीत सिंह डल्लेवाल जी के स्वास्थ्य का हाल जाना। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि डल्लेवाल जी की हालत बेहद गंभीर है। सरकार तुरंत एमएसपी गारंटी देने की किसानों की मांग माने और डल्लेवाल जी का अनशन खत्म कराए। दीपेन्द्र हुड्डा ने यह भी कहा कि कहा कि सरकार हठधर्मिता छोड़े और किसान आंदोलन के बाद 9 दिसंबर 2021 को सरकार व किसान संगठनों के बीच हुए समझौते को तुरंत लागू करे।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि 9 दिसंबर 2021 को आंदोलनकारी किसानों व सरकार के बीच हुए समझौते में स्वक्क को अमलीजामा पहनाकर लीगल गारंटी देने का वायदा प्रमुख था। लेकिन इसे आज तक सरकार ने पूरा नहीं किया। सरकार की इस वायदाखिलाफी से पूरे देश के किसानों में बेचैनी है। किसान अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पिछली बार हुए किसान आंदोलन के समय भी केंद्र की बीजेपी सरकार की जिद के चलते 750 किसानों को अपनी कुर्बानी देनी पड़ी थी। किसान अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर से खनौरी बॉर्डर, शंभु बॉर्डर के मोर्चे पर बैठे हैं क्योंकि लंबा समय बीतने के बाद भी सरकार समझौते को लागू नहीं कर रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि सरकार बिना किसी देरी के एमएसपी की गारंटी देने का कानून बनाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने यह भी कहा कि अगर 101 किसान दिल्ली आकर अपनी मांगें रखना चाहते हैं तो इसमें सरकार को क्या आपत्ति है? क्या देश के किसान को ये भी अधिकार नहीं कि वो अपनी बात कहने देश की राजधानी में जा सके?

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने नगर निगम चुनाव तैयारियों की समीक्षा की

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने कहा है कि नगर निकाय चुनाव में मतदाता सूची तैयार करने और नए बूथ बनाए जाने के कार्य में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस वोटर का नाम विधानसभा सूची में होगा, उसी को नगर निगम या नगर परिषद की मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। निकाय क्षेत्र में 18 साल के युवाओं को भी वोटर लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवाने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह आज रेस्ट हाऊस में निकाय चुनाव के लिए आयोजित हुई प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला के गुरूग्राम, मानेसर नगर निगम, पटौदी हेलीमंडी व फरूखनगर नगरपालिका के चुनाव करवाए जाने हैं। इन चारों निकाय ईकाईयों की मतदाता सूची तैयार करने के लिए बीएलओ अपना कार्य ईमानदारी से करें। उन्होंने कहा कि 18 साल की आयु पार कर चुके युवाओं को निकाय चुनाव के लिए अपना वोट बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस बार निकाय चुनाव में महिलाओं के लिए स्पेशल पिंक बूथ बनाए जाएं, जहां महिला कर्मचारी ही ड्यूटी पर होंगी। इसी प्रकार कहीं एससी वर्ग या किसी विशेष समाज के लोग अपने लिए स्पेशल बूथ बनाने का अनुरोध करते

हैं तो उस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

चुनाव आयुक्त ने बैठक में ईवीएम की मांग और उसके रख-रखाव के बारे में भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। इस बारे में पुलिस विभाग का सहयोग लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निकाय चुनाव में उसी मतदाता को वोट डालने का अधिकार होगा, जिसका नाम क्षेत्र की विधानसभा सूची में दर्ज है। किसी वोटर का नाम विधानसभा की सूची में नहीं है तो वह पहले अपना नाम विधानसभा वोटर लिस्ट में दर्ज करवाए। मतदाता सूचियों के लिए पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। संबधित अधिकारी दावे और आपत्तियों का निपटान समय पर करें। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि सभी मतदान केंद्र सरकारी भवनों में स्थापित किए जाएं।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि गुरूग्राम नगर निगम में 870 बूथ हैं और यहां 36 वार्डों में 8 लाख 65 हजार 149 वोटर हैं। इसी प्रकार मानेसर नगर निगम में 96 हजार 241 मतदाता हैं और यहां 20 वार्डों में 95 मतदान केंद्र हैं। फरूखनगर नगरपालिका में 14 वार्डों में 16 हजार मतदाता तथा 16 बूथ बने हुए हैं। पटौदी हेलीमंडी नगरपालिका में 40 हजार मतदाता हैं और यहां 22 वार्डों में 45 बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरूग्राम, मानेसर, पटौदी हेलीमंडी व फरूखनगर में निकाय चुनाव के लिए 23 दिसंबर तक मतदाताओं से दावे और आपत्तियां आमंत्रित किए गए हैं। पुनरीक्षण अधिकारियों द्वारा 27 दिसंबर तक इनका निपटारा किया जाएगा। इसके बाद कोई वोटर अधिकारी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह 31 जनवरी तक उपायुक्त के समक्ष अपील कर सकता है। उपायुक्त कार्यालय की ओर से तीन जनवरी तक इन अपील का निपटान कर दिया जाएगा। उसके बाद 6 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, जिसके आधार पर निकाय चुनाव करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी नगर निगम व नगरपालिकाओं में रिवाइजिंग अथॉरिटी के तौर पर सक्षम अधिकारियों व उनके सहायक अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी गई हैं। इस अवसर गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त अशोक गर्ग, एडीसी हितेश कुमार मीणा, मानेसर नगर निगम की आयुक्त रेनु सोगन, एडिशनल कमिश्नर जितेंद्र कुमार, एसडीएम अंकित चौकसे, एसडीएम रविंद्र कुमार, एसडीएम दिनेश लुहाच, एसडीएम दर्शन यादव, नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम, संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार, डीआईओ विभू कपूर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों के मुद्दे का संज्ञान लेना सरकार की जिम्मेदारी, जल्द समाधान निकाले : हुड्डा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि किसानों के मुद्दे का संज्ञान लेना सरकार की जिम्मेदारी और उसे जल्द से जल्द इसका समाधान निकालना चाहिए। क्योंकि आदोलनरत किसानों की मांगे पूरी तरह जायज है।

कांग्रेस स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक सी2 फार्मूले के तहत एमएसपी और एमएसपी की गारंटी की पक्षधर है। पार्टी के चुनावी मेनिफेस्टो में भी इसका जिक्र किया गया था और पार्टी के राष्ट्रीय

महाधिवेशन में भी इसकी सिफारिश की गई है। फसलों का उचित मूल्य देकर ही खेती को लाभकारी बनाया जा सकता है।

अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि किसानों की मांग कई साल पुरानी है। खुद बीजेपी ने एमएसपी का वादा करके किसान आंदोलन को खत्म करवाया था। लेकिन अब किसान सरकार को वही वादा याद दिला रहे हैं। बीजेपी ने एमएसपी देने का वादा करके किसानों की आय डबल करने का एलान किया था। लेकिन वो अपने वादे को भूल गई और आय डबल करने की बजाए खेती की लागत को कई गुना बढ़ा दिया।

हुड्डा ने कहा कि सरकार की बात मानते हुए किसान बिना ट्रैक्टर ट्रॉली के दिल्ली जाने को भी राजी हो गए हैं। फिर भी उनको दिल्ली जाने से रोका जा रहा है, जो कि पूरी तरह अलोकतांत्रिक कदम है। प्रजातंत्र में सभी को शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है। निकालना ही होगा, साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के सब्र की परीक्षा न लें। उन्होंने कहा कि सरकार डीएपी खाद का संकट आज तक दूर नहीं कर पाई है तो दूसरी ओर इस खाद पर कालाबाजारी जारी है, 150 वाला डीएपी खाद का बैग किसानों को 1800 रुपये में खरीदना पड़ रहा है। डीएपी की कमी से किसान सरकारी आपूर्ति पर निर्भर हैं, लेकिन इसकी सीमित उपलब्धता के कारण कुछ किसान प्राइवेट मार्केट का सहारा ले रहे हैं। यहां पर डीएपी के दाम आसमान छू रहे हैं। जहां सरकारी दरों पर खाद मिलना मुश्किल हो रहा है, वहीं प्राइवेट विक्रेता डीएपी के एक कट्टे के लिए 1800 से 1900 रुपये तक वसूल रहे हैं। इस काला बाजारी का सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है, क्योंकि ऊंची कीमतों पर खाद खरीदना उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है।

प्रदेश में एयरहोस्टेस व पायलट प्रशिक्षण केंद्र खोलने की दिशा में किया जाए कार्य : नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल

गुरूग्राम से सालासर धाम तथा खाटू श्याम तक एयरटैक्सी चलाने की दिशा में हो कार्य

प्रदेश में मेडिकल कॉलेज, मल्टीस्पेशलिटी अस्पतालों पर हो ऐयर एम्बुलेंस के लिए हेलीपैड

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि प्रदेश में एयरहोस्टेस को प्रशिक्षण देने तथा प्रतिवर्ष 200 से अधिक बच्चे पायलट प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र खोलने के लिए कार्य किया जाए। विपुल गोयल आज चण्डीगढ़ में नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों के

साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरूग्राम से सालासर धाम तथा खाटुश्याम तक एयर टैक्सी चलाने की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि हिसार में बन रहे महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है बाकी के कार्य को भी जल्द पूरा किया जाए। हवाई अड्डों पर जो भी मशीनरी लगाई जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है वह तय मापदंडों के अनुसार होना चाहिए। विपुल गोयल ने कहा कि प्रदेश में जितने भी मेडिकल कॉलेज या मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है, उन पर एयर एम्बुलेंस के लिए हेलीपैड होने चाहिए ताकि आपातकालीन स्थिति में जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर वहां पहुंचाया जा सके। इस मौके पर सलाहकार नरहरि सिंह बांगर, सीईओ जयदीप सिंह बल्हारा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमएस दुहन सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

किसान कालाबाजारी में खरीद रहा है डीएपी खाद, एक जनवरी सरकार बढ़ाने जा रही है दाम

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के सब्र की परीक्षा ले रही है, उनकी मांग मानने के बजाए कभी लाठी बरसवाती है तो कभी पानी की बौछार तो कभी आंसू गैस के गोले दागती है पर देश का अन्नदाता किसान न तो डरेगा और न ही झुकेगा, न हताश है और न ही बेबस है। आज भी किसान डीएपी खाद के संकट से जूझ रहा है, फसलों की बिजाई के लिए उसे यह खाद ब्लैक में खरीदनी पड़ रही है तो दूसरी ओर सरकार एक जनवरी-2025 से डीएपी खाद के दाम और बढ़ाने जा रही है। एक ओर जहां फसलों का लागत मूल्य बढ़ रहा है तो उस हिसाब से किसानों को उसकी फसल का उचित भाव नहीं मिल रहा है।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि किसानों का आंदोलन आज भी जारी है पर सरकार है कि किसानों की अनदेखी करने में लगी हुई है, वार्ता के नाम पर किसानों के साथ खेल किया जा रहा है। सरकार को किसानों से बातचीत के लिए समय

आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। डीएपी की अनुपलब्धता के कारण फसलों की बुवाई प्रक्रिया बाधित हो रही है, जो कि उनकी खेती की आय का प्रमुख स्रोत है। बुवाई में देरी से फसल का उत्पादन समय पर नहीं हो पाएगा, जिससे किसानों की आय में गिरावट की संभावना बढ़ जाती है। डीएपी खाद की किल्लत को देखते हुए, शासन और प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

एक जनवरी 25 से बढ़ाए जा रहे हैं डीएपी खाद के दाम

मौजूदा समय में डीएपी खाद के एक बैग की कीमत 1350 रुपये है पर एक जनवरी -25 से इस बैग का दाम 1590 रुपये किया जा रहा है। टीएसपी-46 प्रतिशत का दाम 1300 से बढाक़र 1350, 10:26:26 का दाम 1470 से 1725 और 12:31:16 का दाम 1470 से बढाक़र 1725 रुपपे किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि डीएपी खाद के दाम बढाक़र सरकार किसानों के जख्मों पर नमक छिडक़रही है। खाद के दाम बढने. से फसलों का लागत मूल्य भी बढ़ेगा पर विड़ंबना ये है कि फसलों के लागम मूल्य को देखते हुए भी सरकार फसलों का दाम नहीं बढ़ा रही है और न ही एमएसपी पर कानून ला रही है।

बीपीएल परिवारों पर ग्रामीण विकास मंत्रालय का गोलमोज जवाब

सांसद कुमारी सैलजा ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि बीपीएल प्रणाली में विसंगतियों को दूर करने की दिशा में सरकार ने कोई कदम उठाया है, सरकार किस प्रकार सुनिश्चित करती है कि बीपीएली योजनाओं का लाभ जरूरतंद तक कैसे पहुंचेगा, और बीपीएल परिवारों की संख्या में बढ़ोत्तरी कैसे हो रही है। सांसद के इन जवाबों पर परिवार पहचान पत्र योजना हरियाणा सरकार की है, पर ग्रामीण विकास मंत्रालय ने नहीं बताया कि बीपीएल परिवारों की संख्या कैसे बढ़ रही है जबकि सरकार का दावा है कि देश में गरीबों की संख्या पहले से कम हुई है।

मुख्य सचिव ने 'समाधान शिविर' के माध्यम से जवाबदेह शासन पर दिया बल

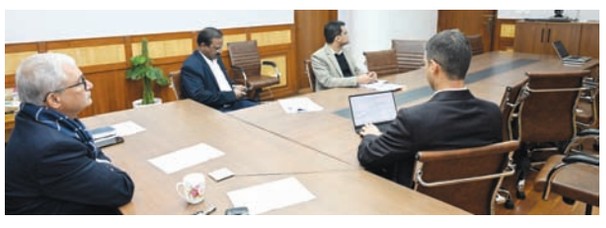

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने आज जन शिकायतों को शीघ्र और निर्धारित समय-सीमा के भीतर हल करने के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दृष्टिकोण से प्रेरित प्रमुख पहल 'समाधान शिविर' की प्रगति की समीक्षा की। इस पहल की प्रगति की समीक्षा करने के लिए उपायुक्तों के साथ एक वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि प्रशासन और लोगों के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए शिकायतों का समय पर और कुशलतापूर्वक ढंग से समाधान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'इन शिविरों को शिकायतों के समाधान से आगे बढ़कर उत्तरदायी और समावेशी शासन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक होना चाहिए। डॉ. जोशी ने कहा कि अधिकारियों और नागरिकों के बीच सीधे संपर्क की आवश्यकता है ताकि नीति-निर्धारण प्रक्रिया में जनता की प्रतिक्रिया को तत्परता से शामिल किया जा सके। उन्होंने समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने और ठोस परिणाम हासिल करने के लिए अंतर-विभागीय समन्वय बढ़ाने का भी आह्वान किया, ताकि जनता की संतुष्टि बढ़े। उपायुक्तों ने इस कार्यक्रम के प्रति अपने पूर्ण एवं प्रतिबद्ध प्रयासों का आश्वासन देते हुए कहा कि इस पहल से समयबद्ध तरीके से जन शिकायतों के समाधान में सार्थक परिणाम मिल रहे हैं।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आजमाएं नारियल तेल

हमारी उम्र जैसे-जैसे बढ़ने लगती हैं उसके साथ ही कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां भी होने लगती हैं। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ जो समस्याएं सबसे ज्यादा परेशान करती हैं वो है झुर्रियों की समस्या। लेकिन क्या आप ये जानती है कि आप अपने चेहरे की झुर्रियों को नारियल तेल से भी कम कर सकती हैं। पुराने समय से ही नारियल के तेल का प्रयोग कई तरह की बीमारियों और त्वचा से संबंधित समस्याओं का इलाज करने के लिए किया जाता है। नारियल का तेल ना केवल बालों की समस्याओं को कम करता हैं बल्कि अगर आप इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों में करती हैं तो यह आपके स्वास्थ्य को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता हैं। नारियल का तेल आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगा और यह ज्यादा महंगा भी नही होता हैं। नारियल तेल का प्रयोग कई तरह के कॉस्मेटिक प्रॉडेक्ट में भी किया जाता हैं। आज हम आपको नारियल तेल के कुछ ऐसे ही उपयोगो के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने चेहरे की झुर्रियों को कम कर सकती हैं।

नारियल तेल का प्रयोग झुर्रियो के कम करने के लिए कैसे करें?

झुर्रियों के इलाज के लिए नारियल तेल का प्रयोग करना सबसे अच्छा उपाय हैं। इससे आपकी त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नही होता हैं। वैसे अगर आप सोच रही है कि नारियल तेल का प्रयोग करने का कोई विशिष्ट तरीका है तो ऐसा नही हैं। लेकिन अगर आप इससे किसी अन्य सामग्री के साथ प्रयोग करने की सोच रही है तो उसके लिए आपको सभी पदार्थो की मात्रा का भी ध्यान रखना चाहिए।

नारियल तेल का प्रयोग करते समय ध्यान रखें

- नारियल तेल का प्रयोग करने से पहले अपने चेहरे से अच्छी तरह से मेकअप को जरुर हाटा लें। अगर आप सही से मेकअप साफ किए बिना नारियाल तेल का प्रयोग करेगी तो उससे आपकी झुर्रिया कम नही होगी।
- ठंडे पानी से अपने चेहरे को साफ कर के ही नारियल तेल का प्रयोग करे इससे आपकी झुर्रियां कम हो जाएगी। क्योकि ठंडे पानी से चेहरे पर मौजूद सभी तरह की गंदगी साफ हो जाती हैं।
- नारियल के तेल की कुछ बूंदें ले कर उन्हें धीरे से अपने चेहरे लगाएं तथा कुछ मिनटों के लिए मालिश करते रहे। इससे आपकी त्वचा पूरी तरह से नारियल तेल को अवशोषित कर लेगी।
- अगर आप इसका प्रयोग रोज सोने से पहले करती है तो आपके चेहरे की झुर्रियां बहुत ही कम समय में कम हो जाएगी।

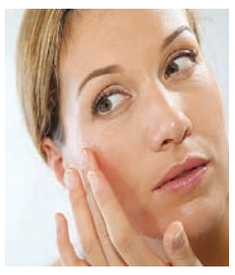

चेहरे के लिए नारियाल तेल

चेहरे पर रोज नारियल तेल की मालिश करने से आपके चेहरे की झुर्रियां कम हो जाता हैं तथा आपका चेहरा कोमल भी हो जाता हैं। एक शोध के अनुसार नारियल तेल में जीवाणुरोधी और औषधीय गुण होता है जो कि सौंदर्य को बढ़ाने में मदद करता हैं। इतना ही नही इससे आपकी त्वचा में सही से रक्त का प्रवाह भी होता हैं। नारियल तेल को आप एक मॉइस्चराइजिंग एजेंट की तरह भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आप रोज एक या दो मिनट तक नारियल तेल से अपने चेहरे की मसाज करती है तो आपके चेहरे पर मौजूद झुर्रियां और निशान हल्के हो जाते हैं।

नारियल तेल का प्रयोग एंटी एजेंग के इलाज के लिए

नारियल तेल से किसी भी तरह का नुकसान नही होता है जिसके कारण आप इसको चेहरे के साथ-साथ शरीर के अन्य नाजुक अंगों पर भी प्रयोग कर सकते हैं। आप चाहे तो नारियल के तेल का प्रयोग एंटी-एजींग एजेंट की तरह भी कर सकती हैं। यह रुखी त्वचा में नमी बनाने में मदद करता हैं जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ दिखाई देती हैं। नारियल तेल से आपकी त्वचा में चमक भी आती हैं वैसे नारियल के तेल की मदद से आप अपने शरीर पर मौजूद चोट के निशानों को भी हल्का कर सकते हैं।

नारियल तेल की मदद से हमारी त्वचा पर मौजूद डेड स्किन को भी कम किया जा सकता हैं। ये आपके शरीर के सभी हिस्सो में रक्त को पहुंचाने में मदद करता हैं तथा आपके शरीर की मासपेशियों को स्वस्थ बनाए रखने मे भी मदद करता है जिससे आपको किसी भी तरह की बीमारी नही होती हैं। अगर आप अपने बढ़ते वजन के कारण बहुत परेशान है और वजन घटाने के लिए हर तरह के तरीको का प्रयोग कर के थक गई है तो आप नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु कर दें। नारियल तेल की मदद से आप वजन कम कर सकती हैं। इतना ही नही यह मधुमेह और कैंसर के इलाज में भी मदद करता हैं। तो अपनी दैनिक दिनचर्या में नारियल तेल का प्रयोग करना शुरु करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ बना रहेगा।

चेहरे की डेड स्किन से छुटकारा दिलाएं 5 घेरलू उपाय

खूबसूरत त्वचा किसकी ख्वाहिश नहीं होती? इसे पाने के लिए हम न जानें कितनी महंगी क्रीमे, फेसवॉश या अन्य उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन, इसके बावजूद त्वचा पर चमक नहीं आ पाती है। क्या आप जानते हैं ऐसा क्यों होता है? वैसे, इसके पीछे कई तरह की वजह हो सकती हैं, जिसमें मृत कोशिकाओं यानी डेड स्किन को न हटाना मुख्य कारण होता है। डेड स्किन को हटाने के लिए बाजार में कई तरह के कॉस्मेटिक उपलब्ध हैं, लेकिन इनका नकारात्मक प्रभाव आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है।

- एक ग्लास कंटेनर में नमक डालें और फिर उसमें नारियल तेल और लैवेंडर ऑयल मिला लें। अब अपनी जरूरत के हिसाब से स्क्रब इस्तेमाल करें। इसे चेहरे पर लगाकर 2-3 मिनट तक धीरे-धीरे मसाज करें। फिर गुनगुने पानी से धो लें। डेड त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए हफ्ते में एक बार इस स्क्रब का उपयोग करें।
- ग्रीन-टी बैग को एक कप गर्म पानी में डालें। अब इस पानी में एक चम्मच शहद भी मिला लें। फिर इस मिश्रण से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। ध्यान रहे कि पानी गुनगुना हो और गर्म नहीं। पानी ज़्यादा गर्म न हो इसलिए पहले हाथों पर टेस्ट कर लें। थोड़ी देर बाद इसे किसी साफ-मुलायम तौलिए से पोंछ लें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें।
- पपीते और ओटेस को मिलाकर पीस लें। फिर उसमें बादाम का तेल मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। आपका स्क्रब तैयार है। स्क्रब लगाने से पहले अपने चेहरे को पानी से गीला कर लें। अब इस स्क्रब से हल्की-हल्की मालिश करें। अगर स्क्रब ज्यादा गाढ़ा लगे, तो कुछ बूंदें पानी की मिला लें। थोड़ी देर स्क्रबिंग के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। ध्यान रहे कि स्क्रबिंग के बाद चेहरे पर फेसवॉश या साबुन न लगाएं।
- एक कटोरी में शहद और चीनी को मिला लें। कुछ मिनटों के लिए इससे अपनी त्वचा को स्क्रब करें और फिर धो लें। इस स्क्रब को आप हफ्ते में एक ही बार करें।
- चेहरे पर जमी डेड परत को उतारने के लिए एक कप में ब्राउन शुगर लें। इसके बाद इसमें कोई भी तेल मिलाकर स्क्रब तैयार कर लें। अब इस स्क्रब से अपनी त्वचा पर हल्के-हल्के से सर्कुलर मोशन में मालिश करें। फिर इसे थोड़ी देर रहने दें और उसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। इस स्क्रब को आप पूरे शरीर पर भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

चौलाई कोकोनट खीर

सामग्री

- लो फैट दूध 220 मिली.
- भिगोई हुई चौलाई 100 ग्राम
- ट्रडिशनल दूध की रबड़ी 30 मिली.
- सूखा ताजा नारियल 15 ग्राम
- नारियल पाउडर 5 ग्राम
- ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स 15 ग्राम
- भुने हुए अखरोट 15 ग्राम
- ताजी पुदीना पत्तियां

विधि

दूध को तब तक उबालें, जब तक कि यह अच्छी तरह उबल कर गाढ़ा और लगभग आधा न रह जाए। अब इसमें भिगोई हुई चौलाई मिलाएं। (चौलाई का सेवन सर्दियों में बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर को गर्माहट मिलती है और वजन घटाने में भी यह मददगार है। इसमें कई एंटी-इन्फ्लेमेटरी तत्व मौजूद होते हैं।) चौलाई को दूध में तब तक पकाएं, जब तक कि यह अच्छी तरह गाढ़ा न दिखने लगे। अब इसमें नारियल और ऑस्ट्रेलियन आमंड फ्लेक्स मिला कर चलाएं। एक बार जब खीर पक जाए तो इसमें सूखा नारियल पाउडर और दूध की रबड़ी मिलाएं। ऊपर से पुदीने की पत्तियों और कैरेमलाइज्ड अखरोट से सजाएं। ग्लास के जार में सर्व करें क्योंकि इसमें देर तक स्वाद बरकरार रहता है और डेजर्ट का शेप भी नहीं बिगड़ता। गर्म या ठंडा, अपनी पसंद के अनुसार सर्व करें।

जलेबी डोनट्स

सामग्री

- खोया 500 ग्राम
- मैदा 100 ग्राम
- कॉर्नस्टार्च 50 ग्राम
- चाशनी
- दूध 50 मिली.
- व्हाइट चॉकलेट 10 ग्राम
- ताजा नारियल 10 ग्राम
- तलने के लिए तेल
- हरी इलायची पाउडर एक चौथाई चम्मच।

विधि

खोये को अच्छी तरह मिलाने के लिए ब्लेंडर का इस्तेमाल करें। इसमें मैदा, कॉर्नस्टार्च और दूध मिलाकर गाढ़ा बैटर तैयार कर लें। पूरी सामग्री को पाइपिंग बैग में भरें और डोनट शेप बनाते हुए तलें। अच्छी तरह सुनहरा होने के बाद चाशनी में भिगो दें। अब इसे छान कर जाली में रखें। कोकोनट और व्हाइट चॉकलेट को मिक्स कर लें। डोनट्स को बीच से काटें और ऊपर से कोकोनट और चॉकलेट को फैला दें। इसे गर्म-गर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली -3386

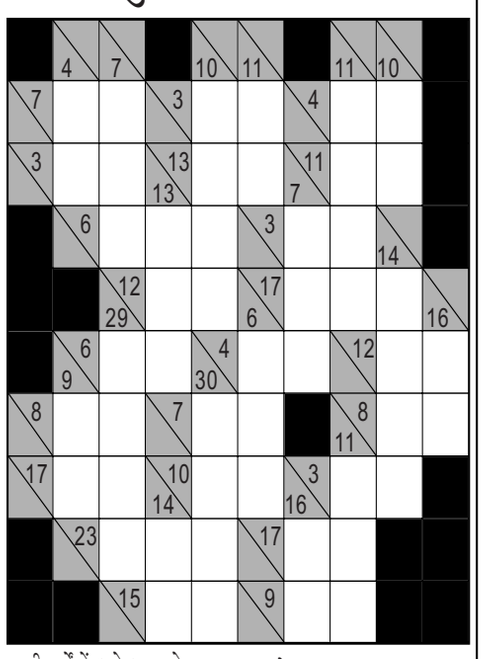

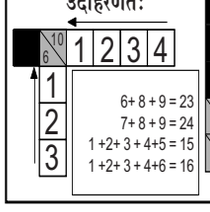

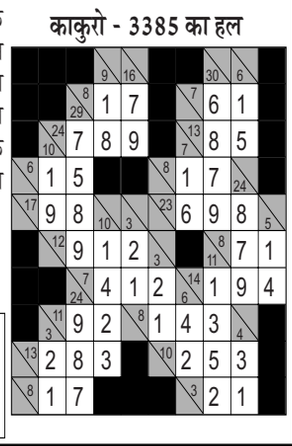

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3385 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा- 'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा- 'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला- 'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला- 'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा- 'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला- 'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

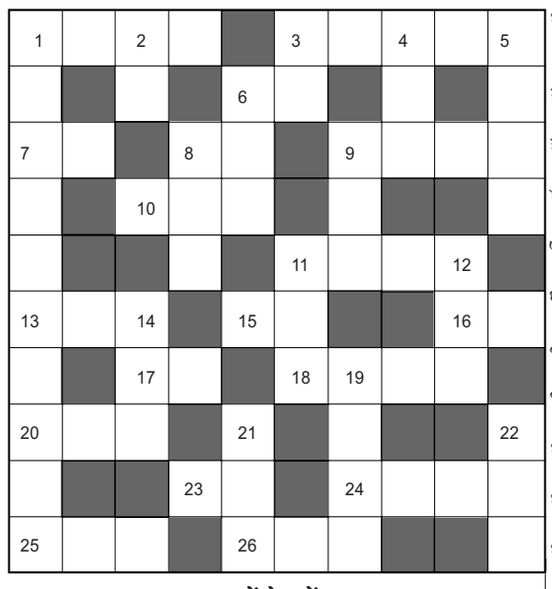

□ □ □

सीता- 'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता- 'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3386

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3385

सूडोकु -3386

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3385 का हल

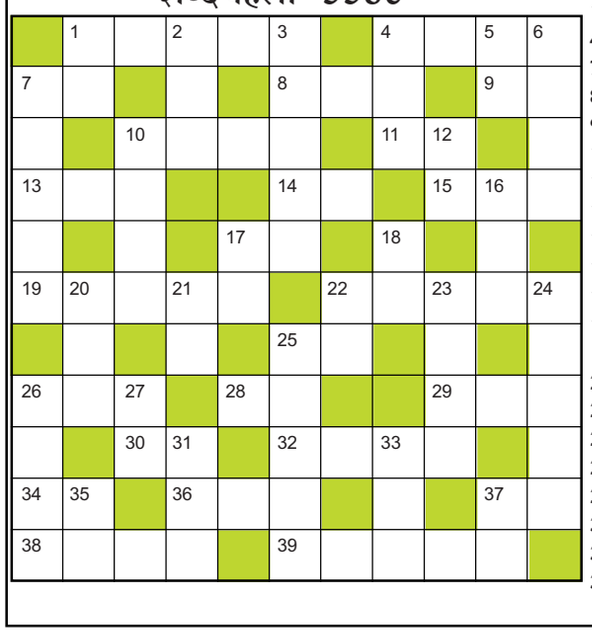

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली -3386

बाएँ से दाएँ

1.राजा का पुत्र-5
4.मन को हरने वाला-4
7.काल,समय,पीरियड-2
8.खोदना-3
9.मोटा आटा-2
10.पशु,मवेशी-4
11.जलापूर्ति का साधन-2
13.पुत्र,बेटा-3
14.क्षार,खारा-2
15.दर,मूल्य-3
17.नौका-2
19.नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22.लालन-पालन-5
25.अच्छा,भला-2
26.पूर्ण करना-3
28.गोष्ठी,सम्मेलन-2
29.हुनरमंद-3
30.पिता का भाई -2
32.कुरुपता-4
34.इसाई साध्वी -2
36.टेंशन,परेशानी-3
37.खुजली -2
38.अशक्त,निर्बल-4
39.नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1.झगड़ा, बैर,द्वेष-2
2.सद्पुरुष,अच्छे कुल का-3
3.सार-संभाल-2,3
4.विचार करना-3
5.प्रत्येक-2
6.परंपरा,धर्मविधी-4
7.आवास, गरीबखाना-5
10.संपत्ति-4
12.भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16.भालू-बंदर नचाने वाला-3
17.मां की मां-2
18.भय,खौफ-2
20.वेग,गति-3
21.मुंह,चेहरा-2
22.पैर,ओहदा-2
23.वर्धनशील,बढ़नेवाला-4
24.शकरगंजी,कंद-5
25.सभागार,सभाकक्ष-5
26.भयंकर,खतरनाक-4
27.मोड़-2
31.कायर,डरपोक-3
33.तीन घंटे का समय,प्रहर-3
35.भीगा हुआ-2
37.नौकरानी-2

शब्द पहेली -3385 का हल

कांग्रेस नेता गौरव चौधरी ने रैफर मुक्त फरीदाबाद धरने को दिया समर्थन

रैफर मुक्त फरीदाबाद की मांग को लेकर आटो रैली निकालकर उपायुक्त को देगें ज्ञापन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। रैफर मुक्त फरीदाबाद का धरना आज 17 वें दिन में प्रवेश कर गया। इस मौके पर कांग्रेस नेता गौरव चौधरी ने अपनी टीम के साथ धरनास्थल पर पहुंचकर सेवा वाहन के संचालक सतीश चौपड़ा व अनशनकारी बाबा रामकेवल को समर्थन दिया।

इस मौके पर कांग्रेस नेता गौरव चौधरी ने कहा कि लाखों की आबादी वाला औद्योगिक शहर होने के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं की बेहद कमी है। रोजाना सडक़दुर्घटना सहित अन्य औद्योगिक घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को दिल्ली के सफदरजंग व एम्स अस्पताल में उपचार के लिए निर्भर होना पड़ता है। इसलिए प्रदेश की नायब सैनी सरकार ट्रामा सैन्टर, श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कालेज में ओपीड़ी सेवाएं शुरू करें तथा सिविल अस्पताल को रेफर मुक्त करें जनता को राहत प्रदान करें।

धरनास्थल पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए धरनारत सतीश चोपड़ा व अनशनकारी बाबा रामकेवल ने कहा कि कल 20 दिसम्बर को सुबह 10 बजे धरनास्थल बीके चौक से सैक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय तक एक आटो रैली निकाली जाएगी तत्पश्चात जिला उपायुक्त विक्रम सिंह के मार्फत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस मौके पर गौरव चौधरी के अलावा आरटीआई कार्यकर्ता वरूण श्योकंद, प्रवासी नेता संतोष यादव, युवा अनशनकारी अभिषेक गोस्वामी, राकेश उर्फ रक्कू, अजय सैनी, यशवंत मौर्य, अनिल नेताजी, अनीश पाल, ऑटो यूनियन के अध्यक्ष वासदेव भील अहेरिया, संजय पाल, पारसनाथ व्यास, राजेश अहलावत, चन्द्रमोहन, रामसागर शुक्ला, ओमकार लोधी, राजेश कुमार एडवोकेट, नरेश शर्मा, वीरेन्द्र मिश्रा, राहुल झा, योगेश कोहली, मनोज कोहली, केदारनाथ अग्रवाल, महेश हिन्दू, रामफल जांगड़ा, अवधेश कुमार ओझा, नरेश मेंहदीरत्ता, कमल सिंह तंवर, हेमलता शर्मा, दीपक शक्ति, परविन्दर राजपाल, नरेश वैष्णव, जसंवत पंवार, प्रीतपाल सिंह, संजय पाल, सविता बग्गा, संजय अरोड़ा, सोनू सलूजा के अलावा सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भगवा ध्वज धारण किए बाइक सवारों के जयघोष से गुंजायमान हुआ शहर

समाचार गेट/संजय सिंह

फरीदाबाद। गीता जयंती के उपलक्ष्य में श्री बजरंग दल द्वारा शौर्य जागरण यात्रा का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत बाबा सूरदास मंदिर तिलपत धान से प्रारंभ होकर काली माता मंदिर पुस्ता रोड़ फरीदाबाद पर संपन्न हुई। इससे पूर्व हवन एवं संत आशीर्वाद से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बजरंग दल के प्रदेश संयोजक भारत भूषण, महामंडलेश्वर भैय्याजी महाराज, महंत सुरेन्द्र दास, साध्वी आस्था गिरी, गंगाराम शास्त्री भागवत कथा वाचक की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उपरोक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार बोहरा, अरुण वालिया, कर्नल समर सिंह, राकेश वशिष्ठ, कमल सिंह तंवर, पिंटू सरपंच तिलपत ने भी कार्यक्रम में शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता भारत भूषण ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु गोविन्द सिंह का बलिदान देश, धर्म के लिए बलिदान कभी अविस्मरणीय नही किया जा सकता है। राम कोठारी शरद के बलिदान कोगरी ने भी राम मंदिर आंदोलन को एक नई प्यार दी थी वर्तमान में मेवात दंगों में हुए वीरगति को वीरगति को प्राप्त हुए अभिषेक एवं प्रदीप को स्वरांजलि हुए कहा कि कहा के हिंदू समाज के जन-जागरण में इन की महती भूमिका रही है।

भैय्याजी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दू समाज के जन-जागरण में बजरंग दल की अहम भूमिका रहती है उन्होंने बताया कि बजरंग का प्रत्येक कार्यकर्ता गौ रक्षा, मातृशक्ति की सुरक्षा, देश के लिए प्राण न्योछावर करने का गर्व का अनुभव करता है। सुंदर वैदिक एवं राहुल देव के देश भक्ति से ओतप्रोत गीतों ने कार्यक्रम में उत्साह एवं उल्लास का अंग-अंग में संचार कर दिया। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भगत सिंह चन्द्रशेखर आजाद, वीर सावरकर जैसे राष्ट्रभक्तों की जीवन शैली पर प्रकाश डाला। बजरंग दल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पंकज जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष तुलसी चौहान, प्रखंड मंत्री, भौजपाल, अनुज दक्ष, बजरंग दल जिला सह संयोजक विजय प्रश्न संयोजक पंकज, अर्जुन बोल, अनिल दुबे, धर्म जागरण महेन्द्र गायत्री परिवार से किशोर रतन यादव, पृथ्वीनाथ दीक्षित, दुर्गावाहिकी जयश्री, किरण, रूपम पांडेय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ओजोन पार्क आरडब्ल्यूए बहाल

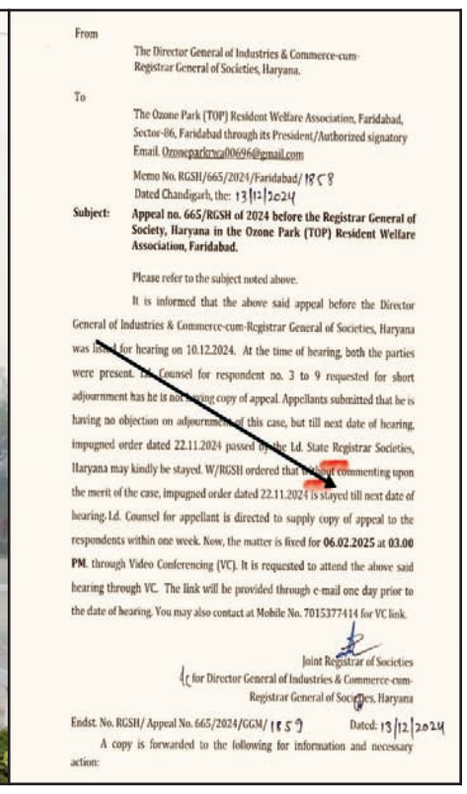

From

The Director General of Industries & Commerce-cum-Registrar General of Societies, Haryana.

To

The Ozone Park (TOP) Resident Welfare Association, Faridabad, Sector-86, Faridabad through its President/Authorized signatory Email. Ozoneparkrwa00696@gmail.com

Memo No. RGSH/665/2024/Faridabad/1858
Dated Chandigarh, the: 13/12/2024

Subject: **Appeal no. 665/RGSH of 2024 before the Registrar General of Society, Haryana in the Ozone Park (TOP) Resident Welfare Association, Faridabad.**

Please refer to the subject noted above.

It is informed that the above said appeal before the Director General of Industries & Commerce-cum-Registrar General of Societies, Haryana was listed for hearing on 10.12.2024. At the time of hearing, both the parties were present. Ld. Counsel for respondent no. 3 to 9 requested for short adjournment has he is not having copy of appeal. Appellants submitted that he is having no objection on adjournment of this case, but till next date of hearing, impugned order dated 22.11.2024 passed by the Ld. State Registrar Societies, Haryana may kindly be stayed. W/RGSH ordered that without commenting upon the merit of the case, impugned order dated 22.11.2024 is stayed till next date of hearing. Ld. Counsel for appellant is directed to supply copy of appeal to the respondents within one week. Now, the matter is fixed for **06.02.2025 at 03.00 PM** through Video Conferencing (VC). It is requested to attend the above said hearing through VC. The link will be provided through e-mail one day prior to the date of hearing. You may also contact at Mobile No. 7015377414 for VC link.

Joint Registrar of Societies
for Director General of Industries & Commerce-cum-Registrar General of Societies, Haryana

Endst. No. RGSH/ Appeal No. 665/2024/GGM/1859 Dated: 13/12/2024

A copy is forwarded to the following for information and necessary action:

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद की ओजोन पार्क आरडब्ल्यूए ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी की सोसाइटी के कुछ निवासियों द्वारा, जिनके ऊपर सोसाइटी के 1.67 करोरू१ रुपये के तथाकथित हेरा-फेरी, आरडब्ल्यूए के दस्तावेजों में कोषाध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर करने, सोसाइटी के इंफ्रा स्ट्रक्चर में बिना डी.टी.पी. के अनुमति के बदलाव करने, अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी खर्च करने, एकाउंटिंग प्रोसीजर, रख रखाव में ग़लतियाँ करने, शिकायतकर्ता को डराने धमकाने के आरोप हैं व उनके कुछ समर्थकों द्वारा कुछ समय से राजनैतिक दबाव व संरक्षण लाकर आरडब्ल्यूए को समय से पहले ही गिराने के प्रयास चल रहे थे, जिसके चलते आरडब्ल्यूए को लगभग दस दिनों तक बर्खास्त कर एडमिनिस्ट्रेटर लगा दिया गया था. इसके कारण सोसाइटी के आम निवासियों में रोष व भय का माहौल पैदा हो गया था क्योंकि सोसाइटी में विकास कार्यो जैसे,बिलडिंग रिपेयर,रोड रिपेयर,डी.जी.सेट के कन्वर्शन, पीने के पानी के कनेक्शन कामों के चलते व निवासियों द्वारा दिए गए पैसे एक बार फिर फंसने व विकास कार्यों के रुकने का डर बन गया था.

प्रशासन के द्वारा आरडब्ल्यूए को पुन: बहाल करने से सोसाइटी के आम निवासियों ने राहत की सांस ली है व प्रशासन का धन्यवाद भी किया। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी जानकारी दी गई की इन कथित दोषी निवासियों द्वारा सोसाइटी में यह भी भ्रम का माहौल बनाया गया की सोसाइटी में चुनाव नहीं कराए जाएँगे, जबकि आरडब्ल्यूए ने समय से चुनाव कराने की पूरी तैयारी भी कर ली है और इसके लिए प्रशासन को सूचित भी कर दिया गया है. प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया की कथित रूप से दोषी व्यक्तियों के खिलाफ न्यायालय में आरडब्ल्यूए के पैसों की रिकवरी के अलग अलग प्रकरण व दावे भी दायर कर दिए गए हैं व साथ ही कोषाध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर करने के खिलाफ भी न्यायालय को सूचित कर कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है व जिन कथित राजनैतिक व्यक्तियों ने संरक्षण दे कर सोसाइटी व उसके आम निवासियों के हितों के विरुद्ध काम किया है उनके नाम भी समय रहते उचित स्थान पर व न्यायालय में उजागर कर दिए जाएँगे ताकि किसी भी सोसाइटी में बाहर के व्यक्ति, समाज सेवा व राजनैतिक सेवा के नाम पर सोसाइटी के मामलों में दखल ना दें व ग्रेटर फरीदाबाद में किसी और सोसाइटी के हित प्रभावित ना हो.

नायब सिंह सैनी कर रहे हैं जन-जन को सशक्त : धनेश अधलखा

विधायक धनेश अधलखा बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

बडखल के कोने कोने तक विकास पहुँचाना एवं जनता की समस्यायें दूर करना हमारी प्राथमिकता : धनेश अधलखा

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य बनने के बाद बडखल से विधायक धनेश अधलखा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार प्रदेश के किसान युवा, गरीब और महिला सभी वर्गो के विकास और सशक्तिकरण के लिए कार्यरत हैं और जनहित योजनाओं के माध्यम से लगातार प्रदेश की जनता को मजबूत कर रही है । प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को जनहितकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है । प्रदेश के युवाओं को बिन खर्ची बिन पर्ची नौकरियां मिल रही हैं । पिछले 10 वर्षों से भाजपा की प्रदेश सरकार नॉन स्टॉप विकास कर जन जन को सशक्त किया है ।केन्द्रीय रा%यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद लोकसभा का चंहुमुखी विकास करने का कार्य किया है और हमारा लक्ष्य बडखल विधानसभा के कोने कोने तक विकास पहुँचाना है । विकास के साथ जनता की हर समस्या को दूर करना हमारी प्राथमिकता हैं ।

भाजपा की साधारण सदस्यता के साथ सक्रिय सदस्यता अभियान भी जोरों पर है ।भाजपा के बड़े नेताओं के साथ मंडल एवं बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता भी सक्रिय सदस्य बन रहे हैं । इसी कड़ी में वीरवार बडखल से विधायक धनेश अधलखा भाजपा के सक्रिय सदस्य बने । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा और जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा उपस्थित रहे। श्री अधलखा ने बडखल की जनता से सदस्य बनकर भाजपा के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

सक्रिय सदस्यता अभियान को उत्सव की तरह मना रहे हैं कार्यकर्त्ता : वोहरा

फरीदाबाद जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि फरीदाबाद जिले के लोगों में भाजपा के प्रति जोश और उत्साह हैं और लगातार लोग भाजपा के सदस्य बन रहे हैं । जिले में भाजपा ने 2.5 लाख के लक्ष्य को पार कर 3 लाख से %यादा नए सदस्य जोड़ दिए हैं और लगातार पार्टी के साथ लोगों का जुड़ना जारी है । भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान को कार्यकर्ता उत्सव की तरह मना रहे हैं और 50 या उससे %यादा सदस्य पार्टी के साथ जोड़कर सक्रिय सदस्यता अभियान में भाग लेकर सक्रिय सदस्य बन रहे हैं । श्री वोहरा ने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ पर सदस्यता अभियान में तेजी लाने और हर बूथ पर 3-3 कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनने का आह्वान किया।

हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प ले तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे : परमजीत चहल

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प ले तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे। पर्यावरण संरक्षण हमारे ऊपर आने वाली पीढ़ी की अमानत है जो हमें उनको अच्छी अवस्था में सौंपनी हैं, उक्त कथन जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल ने पीएम श्री स्कूल पाटखोरी में आयोजित जिला स्तरीय इको फेसटिवल में बच्चों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहे। कैवल्य एजुकेशन फाउंडेशन ने टाटा कम्युनिकेशन के सहयोग और जिला शिक्षा विभाग के साथ मिलकर दूसरे जिला इको-फेस्ट का आयोजन पीएम श्री सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाथखोरी, नूंह , में किया इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित एक अनूठा कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम नूंह जिले के 53 स्कूलों के 600 से अधिक छात्रों को एक मंच पर लेकर आया, जहां उन्होंने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा तैयार की गई प्रदर्शनी रही, जिसमें भूमि संरक्षण, जैव विविधता, वायु प्रदूषण, जल संरक्षण, और कचरा प्रबंधन जैसे पर्यावरणीय विषयों को बड़े ही प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने इन विषयों पर मॉडल, चार्ट और पोस्टर के माध्यम से अपनी सोच और समाधान प्रस्तुत किए। इसके साथ ही, छात्रों ने नूंह के पारंपरिक हस्तशिल्प और व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया, जिससे स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं, जिनमें पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक, नृत्य और गीत शामिल थे। इन प्रस्तुतियों ने न केवल उपस्थित लोगों को मनोरंजन प्रदान किया बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए प्रेरित भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत चहल जी ने छात्रों को उनके प्रयासों के लिए सराहा और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका की सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा कम्युनिकेशन की सीएसआर प्रमुख पल्लवी बिरुआ ने भी शिरकत किया इसके अलावा, जिला एफएलएन समन्वयक कुसुम मलिक ने भी अपने विचार साझा किए और छात्रों के प्रयासों को सराहा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सबरजीत ठाकुर और एनसीडी प्रभारी गौरव भाटी ने प्रदर्शनी का दौरा किया और छात्रों के कार्यों की सराहना की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में गांधी फेलो और करुणा फेलो ने अहम भूमिका निभाई। गांधी फेलो (बाबुल, अमृता, ऋषिकेश, पवन, अमोल, अन्नमोल, विकास, पलक, अभिजीत, विनय, शैलेंद्र, दिनेश, अषिता, नीलम और सावन) और करुणा फेलो (अपसरी, खालिदा, रीना, हसीना, फरहीन और सना) ने कार्यक्रम की हर गतिविधि को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका मार्गदर्शन सीनियर प्रोग्राम मैनेजर नरेंद्र शर्मा, प्रोग्राम मैनेजर रियाज मीर, सीनियर प्रोग्राम लीडर मनीष, अब्दुल और चंदन, तथा प्रोग्राम लीडर सुमन और शशांक ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में पीएम श्री सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पाटखोरी के प्रधानाचार्य प्रवीण सैनी का विशेष योगदान रहा। जिला इको-फेस्ट पर्यावरण जागरूकता को बढ़ाने और छात्रों के बीच रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ। इस कार्यक्रम ने यह साबित किया कि जब शैक्षिक संस्थान, स्थानीय प्रशासन और सीएसआर पहल एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो वह न केवल छात्रों के विकास में सहायक होते हैं, बल्कि समाज के व्यापक कल्याण के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करते हैं। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी उमर खान, ग्राम पंचायत पाटखोरी की सरपंच साहिला, साहुन एडवोकेट, एस एम सी प्रधान जगदीश, हाजी इब्राहिम बाघेला, प्रधानाचार्य आलमदीन, विनय कुमार, सैयद मोहम्मद इनाम, अमजद अली, सुरेश पांडे, विद्यालय स्टाफ सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अस्पतालों में सेवा

आश्रम में देश विदेश से हजारों भक्तों के जुटने की तैयारी संपन्न

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम के अधिष्ठाता जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज के एक जनवरी को आसन्न जन्मोत्सव से पूर्व ही सेवा और सत्संग के कार्यक्रम प्रारंभ हो गए हैं। इस कड़ी में आज आश्रम के सेवादारों ने जिला नागरिक अस्पताल और ईएसआई अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच सेवा की।

यहां सेवादारों ने अस्पताल प्रबंधन के सहयोग से मरीजों को आश्रम से लाए गर्मी प्रदान करने वाले वस्त्र और प्रसाद प्रदान किए। सेवादारों ने मरीजों और उनके तीमारदारों को बताया कि वह श्री सिद्धदाता आश्रम से आए हैं और आपके लिए श्री गुरु महाराज के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनका आशीर्वाद लेकर आए हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप जल्द ही स्वस्थ होकर अपने परिजनों के संग रहें। दोनों अस्पतालों में भर्ती अधिकांश मरीजों को श्री सिद्धदाता आश्रम की दिव्यता एवं भव्यता के बारे में पहले से जानकारी दी और उन्होंने कहा कि वह भी ठीक होकर आश्रम आएंगे और श्री गुरु महाराज को जन्मदिन की बधाई देंगे।

इस अवसर पर पहुंचे सेवादारों ने बताया कि श्री गुरु महाराज के जन्मदिन को लेकर भक्तों में बड़ा उत्साह है। एक जनवरी को तो आश्रम में बड़ा कार्यक्रम होगा ही जिसमें देश विदेश से हजारों की संख्या में भक्त जुटेंगे। वहीं इस गुरु महाराज को जन्मदिन की बधाई देने और एक दूसरे को नववर्ष की भी बधाई देने का अवसर हमें मिलने वाला है।

इसके लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस अवसर पर आश्रम के परिक्रमा मार्ग में दर्जन भर अल्पहार की सेवा स्टॉल लगाई जाएंगी। वहीं मंदिर परिसर को भी सुंदर रोशनी से जगमगाने की तैयारी है। आने वाले सभी भक्तों को गुरु महाराज स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य स्वयं प्रसाद एवं आशीर्वाद देंगे। आमतौर पर हर वर्ष पिछले से ज्यादा भक्तों के जमा होने का गवाह बनता है।

संपादकीय

सूत न कपास, जुलाहों में लठ्ठम लठ

इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसीयत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंधन के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धर्जजियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुडसवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढने.के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित्त कर दिया। इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता के इस बयान के बाद अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की अतृप्त इच्छा में उबाल आ गया। गठबंधन के दल के नेता अब नेतृत्व का दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। इस पर चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ममता जी बड़ी नेता हैं लेकिन राहुल गांधी के अलावा देश में कोई नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं है। लेफ्ट नेता डी राजा ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हालात इंडिया ब्लॉक की मीटिंग की मांग करते हैं। कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

युवक के अंतिम संस्कार के लिए प्रशासनिक अधिकारी पंहुचे बागोत

प्रिजनों द्वारा पुलिस को दी शिकायत पर सांय तक चलता रहा मंथन

एसडीएम, डीएसपी व तहसीलदार ने परिजनों के साथ की मंत्रणा

बृहस्पतिवार को छठें दिन भी नहीं हो सका अंतिम संस्कार

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। उपमंडल के गांव बागोत में 26 वर्षीय युवक मोहित द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के छठे दिन भी अंतिम संस्कार नहीं हो सका। परिजनों की ओर से क्षेत्र के 8 प्रतिष्ठित व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है जबकि पुलिस साक्ष्य मांग रही है। साक्ष्य के अभाव में प्राथमिकी दर्ज नहीं हो सकी। ईधर जिला प्रशासन के निर्देश पर बृहस्पतिवार को कनीना के एसडीएम अमित कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार, नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल, थाना इंचार्ज मुकेश कुमार, महेद्रगढ के थाना इंचार्ज युद्धवीर सिंह सहित अन्य कर्मचारी पीडित के घर पंहुचे ओर परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाया। करीब छह घंटे की कांउसलिंग के बाद दरखास्त देने पर सहमति बनी। कैलाश शर्मा ने पुलिस को बताया कि बीते शुक्रवार की रात दो भाई मोहित व पुलकित गांव में ही एक जन्मदिन पार्टी में गए थे। वहां से लौटकर मोहित ने फांसी लगा ली। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया ओर पंचनामा करवाने के लिए उप नागरिक अस्पताल के मोर्चरी में भिजवा दिया। मृतक से किसी प्रकार का सुसाइड नोट व सीडीआर आदि नहीं मिला था। जिसके दरम्यान शनिवार को पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा दिया। मृतक के पिता कैलाश शर्मा आठ व्यक्तियों के खिलाफ आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। कार्रवाई न होने तक 'डैड बॉडी' रिसीव नहीं करने की बात कही जा रही है। जिसके चलते युवक का शव पिछले छह दिन से अस्ताल के फ्रीजर में रखा हुआ है जिसे परिजन नहीं ले जा रहे हैं। अस्पताल स्टाफ तथा पुलिस प्रशासन नजर बनाए हुए है। मृतक के पिता कैलाश शर्मा ने कहा कि हिंदू धर्म में व्यक्ति की मोत के 12 दिन तक शोक मनाया जाता है। उसके बाद कोई काम किया जाता है। 12 दिन बाद वे न्याय के लिए कोर्ट की शरण में जाएगें। बागोत पंहुचे प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी समस्या को गहनता से सुना ओर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। जिस पर परिजनों ने दरखास्त लिखकर पुलिस को दी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस उक्त दरखास्त पर लीगल एडवाइस लेने में जुटी थी तथा शव का अंतिम संस्कार भी नहीं हो सका था।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के नाम का मजाक उडाना गलतः वर्मा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बाबा साहेब अंबेडकर के नाम को लेकर मजाक बनाना भाजपा की निम्न कार्यशैली को दर्शाता है। उक्त विचार महिला कांग्रेस नेत्री सुनीता वर्मा ने प्रेस के नाम जारी विज्ञप्ति में कही। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई भाजपा और कांग्रेस की नहीं है बल्कि बाबा साहब के मान – सम्मान और वंचितों के स्वाभिमान की लड़ाई है। कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष तथा सोशल मीडिया कांग्रेस की स्टेट कॉर्डिनेटर वर्मा ने कहा कि 'अंबेडकर' ने हमें स्वर्ग समान जीवन जीने का अधिकार दिया है। देश की जनता को उनके अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए कार्य किया है। बीजेपी नेता बाबा साहेब की इज्जत करते हैं तो देश भर में जाति जनगणना करवाए तथा आरक्षण भी उसी हिसाब से तय करे। उन्होंने कहा कि देश संविधान से चलेगा किसी संघ के विधान से नहीं। उनके द्वारा बनाए संविधान से भाजपा नेता आज खुद को सुरक्षित समझते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया।

चलती बस में महिला के बैग से पर्स गायब करने के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना से नारनौल जा रही बस में रखे महिला के बैग से पर्स चोरी करने के आरोप में कनीना थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान सोनू वासी सिसई, हांसी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद पर्स व सामान बरामद कर लिया है। बृहस्पतिवार को उसे कोर्ट में पेश किया जहां कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बारे में दौंगडा जाट निवासी ज्योति नामक महिला ने थाना सदर कनीना में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें 12 सिबंर को झाडली से दोंगडा जाट शादी में जाने की बात कही थी। जब वह कनीना बस स्टैंड से नारनौल जाने वाली बस में सवार हुई तो एक युवक ने साथी के आने की बात कही। महिला अपना बैग उठा कर दूसरी सीट पर बैठ गई। इसके बाद एक ओर युवक आया और उसका बैग उठा कर साईड वाली सीट के पास रख दिया। बस कनीना से मोहनपुर बस स्टैंड पहुंची तो 3 युवक वहां उतर गए। बस में जगह होने पर महिला अपने बैग के पास जाकर बैठ गई। दौंगडा जाट पंहुचने पर मालुम हुआ कि बैग में रखा पर्स गायब है। जिसमें चैन, पायल, हार, झुमकी, अंगुठी आदि थे और 2 हजार नगद रुपए थे। आरोपी सीसीटीवी कैम्रे में कैद गए। पुलिस ने तीन आरोपियों में से एक को काबू कर जेल भ्जेज दिया है।

नूंह में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्रहमंत्री का पुतला फूंका

अंबेडकर का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान : महताब अहमद

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला मुख्यालय पर ब्रष्पतिवार को कांग्रेस नेता महताब अहमद की अगुवाई में कांग्रेस जनों ने केंद्र सरकार में गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफा की मांग करते हुए प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया। ग्रहमंत्री अमित शाह संसद में संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी पर घिरते नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस जनों ने गुरुवार को जिला कांग्रेस मुख्यालय से नूंह बाज़ार तक विरोध प्रदर्शन कर मुख्य चौक पर केंद्रीय गृह मंत्री का पुतला जलाया। पीसीसी सदस्य महताब अहमद ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर के प्रति जो कहा वह निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को नहीं मानती, वे संविधान की शपथ लेने वाले बाबा साहब के नाम लेने को

गुनाह मानते हैं। देश की सबसे बडी पंचायत में संविधान निर्माता का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कैबिनेट से हटाने की मांग की।

महताब अहमद ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कैबिनेट से तुरंत हटाया जाए, कांग्रेस नूंह से लेकर देश के कोने कोने में इस दलित विरोधी मानसिकता का विरोध कर रही है। भीमराव अंबेडकर देश के नायक हैं जिन्होंने सभी को संविधान और कानून के अनुसार एक समान अधिकार सुरक्षित किए हैं।

दरअसल संविधान पर चर्चा के दौरान राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि अभी एक फैशन हो गया है। आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

कांग्रेस पार्टी इस मामले को लेकर संसद से सड़क तक संघर्ष कर प्रदर्शन करती दिख रही है। खुद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संसद में इस मामले में खुलकर अंबेडकर के प्रति इस रवैए का विरोध कर रहे हैं।

विधायक नूंह चौधरी आफताब अहमद ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर देश के हर एक नागरिक के नायक हैं। उन्होंने हर नागरिक को वो अधिकार दिए हैं जिससे उन्हें ताकत मिली। केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व समुदाय भी भीमराव अंबेडकर की प्रतिभा को मानता है लेकिन भाजपा सरकार के केंद्रीय गृह मंत्री का संसद में ब्यान दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। ये संविधान और लोकतंत्र के मसीहा का मजाक उड़ाने जैसा है जिसका हम पुरजोर विरोध करते हैं।

डॉ अशोक कुमार साइकिल से गाँव-गाँव दे रहे नशा मुक्त अभियान का सन्देश

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक ओपी सिंह, भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में हरियाणा में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम भी किये जा रहे है। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को जागरूकता कार्यक्रम के लिए नियुक्त किया गया है। वे प्राय: साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए गांव गांव और शहर शहर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक कर रहे हैं। उनकी साइकिल पर एक प्लेट लगी है जिस पर हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर अंकित हैं। उनके साइकिल की प्लेट पर यह भी लिखा है– नशा मुक्त हरियाणा जहाँ दूध दही का खाना। वे मधुबन करनाल से फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोहना होते हुए पहाड़ी के दुर्गम मार्ग से साइकिल पर चढ़कर नूंह की और बढे। वे गांव पीपाका होते हुए सहसोला और तावडू के मार्ग की और विभिन्न स्थानों पर ठहरे और लोगों से भेंट कर उन्हें हरियाणा सरकार के नशा मुक्त अभियान बारे बताया। ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 के बारे लोगों को बताया कि इस पर नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों की गुप्त सूचनाएं निर्भीकता से दें। लोगों ने उनसे पूछा कि वे साइकिल के साधन का प्रयोग क्यों करते हैं तो बताया कि ताकि जन जन से भेंट कर नशा मुक्ति का संदेश दिया जा सके।

मेवात में नशा तस्करी का सरगना गिरफ्तार

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। सीआइए तावडू की टीम को नशा तस्करी के एक बड़े सरगना को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी की पहचान समीम निवासी बावला थाना सदर तावडू के रुप में हुई है। जो लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था और पुलिस को पांच अलग- अलग मामलों में उसकी तलास थी। तावडू सीआइए प्रभारी महेंद्र ने बताया कि समीम विदेशी नशा तस्करों से मादक पदार्थ खरीदकर स्थानीय तस्करों को क्षेत्र में सप्लाई करता था। नशा तस्करी के अन्य मामलों में पकडे गए आरोपियों ने इसका खुलासा किया था। समीम के विरुद्ध वर्ष 2023-24 में एनडीपीएस के 7 मामले दर्ज थे। ये सभी केस तावडू शहर और सदर थाना में दर्ज है। इन सभी में वह फरार चल रहा था। योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को एक ठिकाने से गिरफ्तार किया। उससे 9500 रु व एक मोबाइल फोन बरामद हुआ हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि समीम ने अपने नेटवर्क को मेवात समेत आसपास के कई क्षेत्रों में फैला रखा था। वह विदेशी नागरिकों से मादक पदार्थ खरीदकर क्षेत्रीय स्तर पर सप्लाई करता था। पुलिस अब उसके नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है। सीआईए प्रभारी ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की गई थी। जिन्होंने पूछताछ में शमीम की नशा तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की थी।

एवरेस्ट विजेता राकेश कादियान ने किया जिला नूंह का नाम रोशन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला जेल नूंह पर कार्यरत एवरेस्ट विजेता राकेश कादियान ने 14 -15 दिसम्बर को चंडीगढ़ के सेक्टर 7 के खेल स्टेडियम में आयोजित 33 वी हरियाणा स्टेट मास्टर एथेलेटिक प्रतियोगिता में भाग लेकर 110 मीटर बाधा (हर्ड्ल्स) दौड़ ओर 400 मीटर बाधा (हर्ड्ल्स) दौड़ में भाग लिया और अपने आयु वर्ग में सभी खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा कायम किया । ज्ञात हो कि राकेश कादियान इससे पहले भी विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट 8848 मीटर ओर विश्व की चौथी ऊंची चोटी माउंट ल्होत्से 8516 मीटर पर 45 वर्ष की उम्र पुरी करने के बाद तिरंगा झंडा फहराने वाला भारत देश का प्रथम पर्वतारोही बनकर विश्व मे नूंह जिले का नाम रोशन कर चुका है। राकेश कादियान इससे पहले भी स्टेट ओर नेशनल मास्टर एथेलेटिक प्रतियोगिता में भाग लेकर 70 मेडल्स अपने नाम करके नूंह जिला का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कर चुका है । राकेश कादियान ने बतलाया कि अब वह केरल में आयोजित होने वाली नेशनल मास्टर एथेलेटिक चैंपियनशिप की त्यारी करने में लग गया है और नेशनल चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीतकर अपने जेल विभाग, जिला और प्रदेश का नाम भारत देश मे एक बार फिर से रोशन करेगा । राकेश कादियान की इस उपलबधि पर जिला जेल पहुंचने पर जेल अधीक्षक बिमला , उप-अधीक्षक जेल हिमांशू चोधरी , जेल उप-अधीक्षक रेशम सिंह और समस्त जेल स्टाफ ने राकेश कादियान को मेडल जीतकर जिला जेल नूंह का नाम रोशन करने पर अपना आशीर्वाद दिया तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल जीतकर विभाग और जिला नूंह का नाम रोशन करने के लिए अग्रिम बधाई दी । जेल अधीक्षक बिमला ने बतलाया कि राकेश कादियान अपनी सामान्य डयूटी के साथ साथ अपने गेम के लिए सामान्य डयूटी करने के बाद समय निकाल कर तैयारी करता रहता है ओर समय समय पर अपने विभाग ओर नूंह जिला का नाम रोशन करता रहता है और अपनी ड्यूटी के साथ साथ अथक परिश्रम करता रहता है । राकेश कादियान ने अपनी इस उपलबधि के लिए त्यारी के लिए विशेष समय देने के लिए विशेष रूप से जेल अधीक्षक बिमला और समस्त जेल अधिकारियों का आभार व्यक्त किया तथा आगे भी अपने विभाग और नूंह जिला का नाम रोशन करने की प्रतिबद्धता जाहिर की।

स्टेट मास्टर एथेलेटिक चैंपियनशिप में जीते 2 गोल्ड मेडल

जेल अधीक्षक बिमला ने मेडल जीतकर जेल पहुंचने पर किया सम्मानित दिया आशीर्वाद

गाँधीग्राम घासेड़ा में मनाया गया मेवात दिवस मुख्य अतिथि चौधरी ताहिर हुसैन एडवोकेट रहे

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक गाँव गाँधीग्राम घासेड़ा में शहीद हसन खाँ मेवाती स्मारक समिति के सदस्य आस मौश पहलवान व समस्त ग्रामवासियों द्वारा मेवात दिवस समारोह मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि इनेलो नेता चौधरी ताहिर हुसैन एडवोकेट रहे तथा समारोह की अध्यक्षता इमरान सरपंच घासेड़ा ने की। समारोह बहुत शानदार रहा जिसमें ईलाके के सैंकडों गणमान्यों व काफी संख्या में ग्रामवासियों ने शिरकत की। समारोह में मुख्य अतिथि चौधरी ताहिर हुसैन का फूलमालाओं व पगड़ी बाँधकर स्वागत किया गया। समारोह के समापन के बाद चौधरी ताहिर हुसैन व अन्य सभी ने गाँधीग्राम घासेड़ा में स्थित गाँधी पार्क पर पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की मूर्ति पर माला पहनाकर उन्हें ख़िराज-ए-अकीदत (श्रद्धांजलि) पेश की।

चौधरी ताहिर हुसैन ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए सभी मेवातवासियों को मेवाती-दिवस का मुबारक़बाद व बधाई दी। उन्होंने कहा कि बंटवारे के समय आज ही के दिन 19 दिसंबर, 1947 को बाबा-ए-कौम मरहूम चौधरी मौश यासीन खाँ व अन्य मेवात के प्रमुख लोगों के आह्वान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ऐतिहासिक गाँव गाँधीग्राम घासेड़ा आए थे और उन्होंने मेवातियों को पाकिस्तान जाने से रोकने की अपील करते हुए कहा था कि यह देश आप लोगों का है। आपके अधिकारों को कोई नहीं छीन सकता। आपको पूरा मान-सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा था कि मेव हिंदुस्तान की रीढ़ हैं। हिंदुस्तान पर जितना हक़ औरों का है उतना आप लोगों का भी है। उनके आह्वान पर मेवातियों ने अपने देश हिंदुस्तान को चुना था। पाकिस्तान ना जाने का फैसला किया और हिंदुस्तान अपनी मातृ भूमि को ही अपना देश माना था। हुसैन ने कहा कि देश को जब-जब भी कुर्बानियों की जरूरत पड़ी तो हर मेवाती ने देश की आजादी के लिए समय-समय पर बढ़ चढ़कर कुर्बानियाँ दी हैं। ये शहीदों की धरती है। आज भी रूपड़ाका, शाहपुर नंगली, फिरोजपुर झिरका, बड़कली चौक आदि दर्जनभर जगहों पर शहीदों की याद में शहीद स्मारक बने हुए हुए हैं, जो हमेशा शहीदों की याद दिलाते रहेंगे। उन्होंने लोगों से खासतौर पर नौजवान साथियों से अपील करते हुए कहा कि हमें इतिहास को पढ़ना चाहिए कि हमारे पूर्वजों ने देश के लिए कैसी-कैसी कुर्बानियाँ दी हैं। उनके पदचिन्हों और उनके द्वारा दिखाए हुए रास्ते पर चलकर ही हम उन्हें ख़िराज-ए-अकीदत पेश कर सकते हैं। हमें अपने पूर्वजों की तरह ही अपने अंदर देशभक्ति की भावना को पैदा करना है। इस अवसर पर हिदायत कमांडो, हाजी धूंदी, हाजी शौकत, भब्बल कुरैशी, नौमान, अंसार कुरेशी, आजाद, अरसद बाझड़का, ईसब सलंबा, अब्दुल रहमान सलंबा, नसीमा, शबनम, रिजवान, वसीम आदि के अलावा सैंकडों गणमान्य मौजूद रहे।

मरहूम चौधरी मौ. यासीन खाँ व प्रमुख लोगों के आह्वान पर 19 दिसंबर, 1947 को घासेड़ा आए थे महात्मा गाँधी : चौधरी ताहिर हुसैन

बाल विवाह मुक्त भारत बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया जा रहा है

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिले में शक्ति वाहिनी और एमडीडी संस्था के संयुक्त तत्वाधान में नूंह जिले के गांव – गांव जाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही बाल विवाह को रोकने का काम भी किया जा रहा है। भारत सरकार ने गत 27 नवंबर 2024 को नई दिल्ली विज्ञान भवन में बाल विवाह के खिलाफ बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। देश भर के तकरीबन 400 जिलों में संस्थाओं के द्वारा बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए काम किया जा रहा है। हरियाणा के 10 जिलों में शक्ति वाहिनी और एमडीडी संस्था के संयुक्त प्रयास से यह काम किया जा रहा है। मधु जैन जिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी ने बताया कि उनके पास इस साल 2024 में तकरीबन 18 शिकायतें बाल विवाह की आई थी। जिनमें से तीन मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई और एक मामले में पॉक्सो एक्ट इत्यादि की धाराएं भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पहले के मुकाबले लोग अब जागरुक हो रहे हैं, लेकिन अभी भी बाल विवाह की शिकायतें उन्हें आती रहती हैं। इसलिए बाल विवाह को रोकने के लिए समाज का सहयोग जरूरी है। सुरेंद्र रावत शक्ति वाहिनी पदाधिकारी ने कहा कि उनके पास शिकायत देर से आती है। जब शादी का दिन होता है। अक्सर उसी दिन शिकायत आती है। तब तक लड़का और लड़की दोनों पक्ष के लोगों का लाखों रुपए खर्च खाना इत्यादि सामान में हो जाता है। डीएसपी सुरेंद्र किन्हा ने कहा कि पुलिस संस्था की तुरंत मदद के लिए तैयार रहती है। पुलिस की मदद से ही नाबालिग बच्चों की शादियां रूकवाई जा रही हैं और भविष्य में भी पुलिस का सहयोग मिलता रहेगा।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना, प्रिंसिपल ने बच्चों को स्कूल से निकाला

-हाईकोर्ट ने छात्रों के हक में फैसला सुनाया

लखनऊ । स्कूल के लंच बॉक्स में मांसाहारी खाना लाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छात्रों के हक में फैसला सुनाया है, जिसे स्कूल से कथित तौर पर टिफिन में मांसाहारी भोजन लाने के कारण निकाल दिया था। दरअसल, अमरोह के एक स्कूल प्रिंसिपल ने तीन नाबालिग छात्रों को टिफिन में नॉन-वेज लाने की वजह से स्कूल से निकाल दिया था। इसके बाद बच्चों की मां ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने बच्चों के स्कूल में मांसाहारी भोजन लाने पर आपत्ति जताकर बच्चों को गलत तरीके से स्कूल से निकाला है। याचिका पर न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की बेंच ने फैसला सुनाया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अमरोहा के जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि वे दो सप्ताह के अंदर बच्चों को सीबीएसई से संबद्ध किसी अन्य स्कूल में दाखिला दिलाएं और अदालत के समक्ष अनुपालना का हलफनामा दाखिल करें। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि स्कूल के इस कदम से बच्चों के शिक्षा के अधिकार का हनन हुआ है।

पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

पटना । पटना से बांद्रा जा रही पटना-बांद्रा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे के नीचे अचानक आग लगी। घटना के बाद यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। दानापुर-दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) रेलखंड के पास यह हादसा हुआ। फायर ब्रिगेड और रेलवे की टीम ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रात करीब 1:02 बजे जब ट्रेन दुड़ीगंज रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी वहां मौजूद रेलवे कर्मियों ने देखा कि ट्रेन के जनरल बोगी के निचले हिस्से से आग की लपटें उठ रही थीं। उन्होंने तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन को डुमरांव स्टेशन पर रोक गया। अग्निशमन अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि आग एलएचबी कोच (जनरल बोगी) के पहिए और एक्सल के बीच लगी थी। यह आग ज्यादा फैलने से पहले ही बुझा दी गई। यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया- घटना के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित डिब्बे से बाहर निकाल लिया गया। किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। इस घटना के कारण ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन तीन घंटे तक बाधित रहा। आग से प्रभावित बोगी को डुमरांव स्टेशन पर ही अलग कर दिया गया। बाकी ट्रेन को बांद्रा के लिए रवाना कर दिया गया। यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता- रेलवे का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए रेलवे की सभी टीम हमेशा तैयार रहती है। इस हादसे में रेलवे कर्मियों की सतर्कता के कारण बड़ा नुकसान टल गया। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय किए गए।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से अब तक 8 मौतें, विशेषज्ञों की टीम की गठित

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक अज्ञात बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। बुधवार को एक अस्पताल में रहस्यमय बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद प्रभावित गांव में मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद रफीक के 12 साल के बेटे अशफाक अहमद की छह दिनों तक जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहने के बाद मौत हो गई। उसे पहले इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अशफाक के छोटे भाई-बहन 7 साल के इशितयाक और 5 साल की नाजिया की पिछले गुरुवार को मौत हो गई थी। अशफाक की मौत के साथ ही कोटरंका तहसील के बदहाल गांव में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। सभी मृतक एक ही गांव के दो परिवारों के थे। राजौरी के उपायुक्त ने बदहाल गांव में जमीनी हालात का आकलन करने के लिए सोमवार को कोटरंका का दौरा किया, जहां 14 साल से कम उम्र के छह बच्चों सहित सात लोगों की अज्ञात बीमारी के कारण मौत हो गई।

कांग्रेस बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करती : किरण चौधरी

चंडीगढ़ । राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि देश के राजनीतिक इतिहास में संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति कांग्रेस पार्टी का व्यवहार हमेशा विवादों में रहा है। एक ओर कांग्रेस बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करती है, वहीं दूसरी ओर बाबा साहेब के योगदान और विचारधारा का लगातार अपमान करती आ रही है। उन्होंने कहा कि 1975 में देश पर लगे आपातकाल को शायद ही कोई भूल सकता है। लोकतंत्र का गला घोंटते हुए निर्दोष लोगों को जेलों में डाला गया था। यह संविधान के प्रति कांग्रेस के असंवेदनशील रवैये का जीता जागता उदाहरण है। आज भी कांग्रेस गृह मंत्री अमित शाह के बयानों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है, जो उसकी पुरानी चालबाजी का परिचायक है। भाजपा सांसद चौधरी ने कहा कि यह एक कड़वी सच्चाई है कि जब अंबेडकर जी ने भारतीय समाज के कमजोर वर्गों की आवाज उठाने की कोशिश की, तब कांग्रेस ने उन्हें हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश की। यहां तक ??कि लोकसभा में उनके प्रवेश को भी रोकने की कोशिश की गई। यह सिर्फ व्यक्तिगत असहमति नहीं थी बल्कि समानता और सद्भाव की वकालत करने वाली बाबा साहेब की विचारधारा को दबाने का प्रयास था। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदैव बाबा साहेब के योगदान का सम्मान किया है। भाजपा ने बाबा साहेब के जीवन और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य गंभीरता से किया है। उनकी जयंती और उनके विचारों पर आधारित कार्यक्रम आयोजित करना भाजपा की प्राथमिकता में शामिल रहा है।

पंडित नेहरू डॉ. अम्बेडकर से नफरत करते थे, हां, यह विशुद्ध नफरत : नड्डा

-नेहरू ने डॉ. अम्बेडकर को दो बार हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पर जारी राजनीति के बीच कांग्रेस पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने कहा, कल से, सत्य, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय में विश्वास करने वाले सभी लोगों द्वारा कांग्रेस और उसके सड़े चुके इकोसिस्टम को बेनकाब किया गया है। इसलिए, मैंने डॉ.अम्बेडकर के प्रति कांग्रेस की गहरी नफरत को दिखाते हुए कुछ तथ्य साझा करने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, ÷पंडित नेहरू डॉ. अम्बेडकर से नफरत करते थे। हां, यह विशुद्ध नफरत थी। इसीलिए पंडित नेहरू ने डॉ. अम्बेडकर को दो बार हराया। इतना ही नहीं पंडित नेहरु वह गर्व से विदेशों में लोगों को पत्र लिख रहे थे, इस पर खुशी व्यक्त कर रहे थे कि आदरणीय बाबासाहेब अब कैबिनेट में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ÷26, अलीपुर रोड को बहुत पहले ही एक भव्य स्मारक में बदल दिया जाना चाहिए था जो लोगों को प्रेरित करता। लेकिन, डॉ. अंबेडकर से नफरत करने वाली कांग्रेस ने कुछ नहीं किया। यह हमारी एनडीए सरकार थी जिसे 26, अलीपुर रोड को एक प्रतिष्ठित स्थान के रूप में विकसित करने का सम्मान मिला। मुंबई में चैत्य भूमि... दशकों तक कांग्रेस में सामाजिक न्याय के स्वयंभू संरक्षकों ने वहां एक भव्य स्मारक बनाने के खोखले वादे किए।

नड्डा ने सैम पित्रोदा की तस्वीर साझा कर कहा, ÷राजवंश के सबसे वफादार दरबारी ने बताया कि कांग्रेस वास्तव में डॉ. अम्बेडकर के बारे में क्या सोचती है, कि हमारे संविधान के निर्माण में बाबासाहेब की कोई भूमिका नहीं थी। कुछ स्क्रीनशॉट वास्तव में हजारों शब्द बोलते हैं। एक्स पोस्ट को हटाया जा सकता है लेकिन उनकी वास्तविक भावनाएं कभी नहीं जाएंगी।÷ उन्होंने पोस्ट में कहा, '15, जनपथ पर डॉ. अंबेडकर की स्मृति में एक विश्व स्तरीय केंद्र बनाया जाना था। लेकिन दुख की बात है कि कांग्रेस उस सड़क पर एक घर से आगे नहीं देखती थी, इसलिए उन्होंने यह काम अधूरा छोड़ दिया। आखिरकार 2017 में डॉ.अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर का उद्घाटन पीएम मोदी ने किया। कांग्रेस नेताओं को विदेशी धरती पर भारत के बारे में झूठ फैलाना पसंद है। लेकिन, उन्होंने लंदन में उस जगह की कभी परवाह नहीं की, जहां खुद डॉ. अंबेडकर रहते थे। पीएम नरेंद्र मोदी 2015 की यूके यात्रा के दौरान वहां गए, और बाद में इस जगह को महाराष्ट्र सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया। नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधकर कहा, मैं कांग्रेस और उनके सड़े हुए इको-सिस्टम को

बताना चाहता हूं कि जून में आप लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारे। इसके साथ ही आपने आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम में निराशाजनक प्रदर्शन किया। अक्टूबर में आप हरियाणा में हार गए। वहीं, नवंबर में आप महाराष्ट्र में बुरी तरह हारे। कम से कम अब तब झूठ बोलना बंद कर दीजिए, क्योंकि आपका झूठ अनियंत्रित नहीं होगा। सत्य की हमेशा जीत होगी... जय भीम।

भारत को अक्सर अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ज्ञान दिया जाता हैं, अन्य देशों में अल्पसंख्यक कैसी स्थिति में

-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दिया बयान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है, लेकिन अब हम देख रहे हैं कि अन्य देशों में अल्पसंख्यक समुदाय किस स्थिति में हैं। हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि विश्व शांति की बात करके प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास हो रहा है। संघ प्रमुख भागवत ने कहा, विश्व शांति के बारे में बड़े ऐलान हो रहे हैं। हम (भारत) को भी विश्व शांति के बारे में सलाह दी जाती है, लेकिन वहीं युद्ध रुक नहीं रहे हैं। जबकि हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने को कहा जाता है, हम देख रहे हैं कि बाहर अल्पसंख्यक किस प्रकार की स्थिति का सामना कर रहे हैं। हालांकि, संघ प्रमुख ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा का कोई संदर्भ नहीं दिया। लेकिन संघ ने शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां के हिंदुओं की स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी। भागवत ने कहा, मानव धर्म (मानवता) सभी धर्मों का शाश्वत धर्म है, जो विश्व धर्म भी है और इस हिंदू धर्म भी कहा जाता है। हालांकि, दुनिया ने इस धर्म को भुला दिया है। उनके पास वही धर्म है लेकिन उन्होंने इस भुला दिया और इसलिए आज हम विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसे पर्यावरण और अन्य मुद्दे है।

विकास और स्थिरता के बीच संतुलन रखना जरुरी: बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नई दिल्ली में जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व की बड़ी चुनौतियों में से एक है और इससे निपटने में मिशन लाइफ-लाइफ़ फॉर एनवायरनमेंट सबसे सक्षम रणनीति है।

बिरला संसद भवन परिसर में भारतीय वन सेवा के 2023-25 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के समूह को संसदीय प्रक्रियाओं और कार्यपद्धतियों से अवगत कराने के पाठ्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह पाठ्यक्रम लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (पीआरआईडीई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय वन सेवा की जलवायु परिवर्तन की चुनौती कम करने के अभियान के नेतृत्व की अंतर्निहित जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से देश के वन क्षेत्र को विस्तारित करने और वन्यजीवों की सुरक्षा के दृढ़ता से प्रयास करने को प्रेरित किया। संसद में वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण असंतुलन से संबंधित मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा होती है। आयोजन में लोक सभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया जबकि लोक सभा सचिवालय के संयुक्त सचिव गौरव गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। लोकसभा के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 22 महिला प्रशिक्षु सहित भारतीय वन सेवा के 112 प्रशिक्षु अधिकारी भाग ले रहे हैं। इसमें रॉयल भूटान सेवा के दो अधिकारी भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

मायावती ने अमित शाह की टिप्पणी को बताया आंबेडकर की गरिमा पर आघात, बयान वापसी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने इसे बाबा साहेब की गरिमा पर आघात बताते हुए अमित शाह से अपने बयान को वापस लेने की मांग की है।

मायावती ने कहा, कि अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहेब आंबेडकर के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्हें तुरंत अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। बाबा साहेब के प्रति भाजपा की इस तरह की सोच को देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की ऐसी कोई भी राजनीतिक चाल सफल नहीं होगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा, कि कांग्रेस ने भी

हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। बाबा साहेब ने खुद दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। यहां बताते चलें कि इस बयान से पहले मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा था, कि दलितों और अन्य वंचित वर्गों के लिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर भगवान के समान हैं। उनके द्वारा संविधान में दिए गए कानूनी अधिकारों की वजह से इन वर्गों को जीवन का स्वर्ग प्राप्त हुआ है।

अखिलेश यादव ने भी साधा निशाना

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा, जिनका मन विद्वेष से भरा है, वो देश क्या चलाएंगे। अमित शाह की टिप्पणी बाबा साहेब और उनके दिए संविधान का अपमान है। भाजपा की नकारात्मक मानसिकता का यह एक और उदाहरण है। भाजपा संविधान को अपना विरोधी मानती है क्योंकि यह गरीबों, वंचितों और दमितों के शोषण के खिलाफ ढाल बनकर खड़ा है।

अपने विधायकों के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचे एकनाथ शिंदे

मुंबई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री की हर बात मानने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय पहुंचे और आरएसएस के संस्थापक डॉ. के.बी. हेडगेवार के स्मारक पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के दूसरे सरसंघचालक एम.एस.गोलवलकर के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। शिवसेना के कई अन्य विधायकों ने भी डॉ. हेडगेवार और गोलवलकर की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने संघ के पदाधिकारियों से भी मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें आरएसएस का संक्षिप्त परिचय दिया। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, यह बहुत पवित्र भूमि है। यहां आने के बाद सभी को एक ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है...संघ परिवार को अगले वर्ष 100 साल हो रहे हैं, यब बहुत बड़ी बात है...जिसको निरपेक्ष भावना से सामाजिक काम करना है, उसे यहां जरूर आना चाहिए। बता दें कि हाल में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे और वरिष्ठ नेता आनंद दीघे का नाम लेकर यह प्रदर्शित किया था कि वह इन लोगों के विचारों, नीति और निर्देश का पालन करते हैं और करते रहने वाले है। बता दें कि शिंदे देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में गृह मंत्रालय मांग रहे हैं। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार हो चुका है लेकिन अभी तक विभागों का बंटवारा नहीं हुआ है इसलिए शिंदे के संघ नेतृत्व से मुलाकात के तमाम मायने निकाले जा रहे हैं।

प्यारे दोस्तजजिस देश में हमने योगदान दिया उसमें हमारे साथ अन्याय हुआ

* विजय माल्या ने ललित मोदी को किया टैग, जांच एजेंसियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा भगौड़ा घोषित हो चुके और करोड़ों रुपए के गबन के आरोपी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय जांच एजेंसियों पर निशाना साधा है। माल्या ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने किंगफिशर एयरलाइंस के लोन को 6203 करोड़ रुपए का आंका गया है जिसमें ब्याज की रकम 1200 करोड़ रुपए भी शामिल थी। उन्होंने दावा किया कि वित्त मंत्री ने संसद में कहा था कि ईडी के जरिए से बैंकों ने 6203 करोड़ रुपए के बदले 14131 करोड़ रुपए की रिकवरी की है, लेकिन फिर भी वह एक आर्थिक अपराधी माने जा रहे हैं। विजय माल्या ने यह भी कहा कि जब तक ईडी और बैंकों के पास यह कानूनी सबूत नहीं होंगे कि कैसे दोगुना लोन रिकवर किया गया, वह राहत पाने के हकदार हैं, और इसके लिए वह कोशिश करते रहेंगे।

विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में ललित मोदी को भी टैग करते हुए लिखा कि धन्यवाद मेरे सबसे प्यारे दोस्तजजिस देश में हमने योगदान देने

की कोशिश की वहां हम दोनों के साथ अन्याय हुआ है। ललित मोदी पर भी घोटाले के आरोप है और वह भी भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। माल्या और मोदी के बीच यह सहानुभूति और समर्थन का रिश्ता दिखा रहा है। भारत में माल्या के खिलाफ लोन की वसूली के लिए उनकी संपत्तियों की नीलामी लगातार की जा रही है, जिससे बैंकों को उनकी कर्ज की रकम वापस मिल रही है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में लोकसभा में बताया कि ईडी ने भगोड़े कारोबारियों की 22,280 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं, जिनमें विजय माल्या की संपत्तियां भी शामिल हैं। इन संपत्तियों को बेचकर बैंकों को 14 हजार करोड़ रुपए की राशि लौटाई जा चुकी है। माल्या पर बैंकों से 9 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है, जो किंगफिशर एयरलाइंस द्वारा लिए गए लोन से जुड़ा है। माल्या मार्च 2016 में ब्रिटेन भाग गए थे और तब से भारतीय अदालतों के सामने पेश नहीं हुए हैं। ईडी ने उनके मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कई संपत्तियां जब्त की हैं।

देशभर के किसानों को एकत्र कर लड़ेंगे लड़ाई: टिकैत

फतेहपुर (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए सरकार को किसानों का विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि देश में सरकार पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति तैयार करती है। जबकि किसानों के हित के बारे में सरकार को बिल्कुल भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार एमएसपी गारंटी कानून लागू नहीं कर रही है, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से देश भर के किसान पिस रहे हैं। अगर सरकार द्वारा किसानों के हित में कदम नहीं उठाए गए तो देश भर के किसान एकत्रित होकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

थ्जले के खागा कस्बे में स्थित गल्ला मंडी परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन द्वारा किसान महापंचायत का आयोजन किया गया था। किसान महापंचायत में भाकियू

प्रवक्ता राकेश टिकैत पहुंचे। जहां भाकियू अध्यक्ष ने किसानों के हित में सरकार के प्रति जमकर हल्ला बोला। महापंचायत में पंजाब में चल रहे किसानों के आंदोलन को समर्थन दिया गया। मंच पर पहुंचते ही भाकियू अध्यक्ष राकेश टिकैत ने सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया। राकेश टिकैत ने किसानों से नस्ल और फसल दोनों बचाने की अपील की। कहां सरकार की नीतियां किसानों को खत्म करने पर आमादा है। उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार झूठ बोल रही है और उनका एजेंडा केवल हिंदू और मुस्लिम को बांटने का है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के अंबेडकर वाले बयान पर भी हमला करते हुए कहा कि सरकार इतिहास को मिटाने और संविधान में संशोधन करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुरानी धरोहरों को नष्ट करने की साजिश कर रही है। अगर किसानों की हित में सरकार फैसला नहीं लेती तो देश भर के किसान एकत्रित होकर एक बड़े आंदोलन की ओर अग्रसर हो जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

नई कामयाबी: भारत और चीन के बीच फिर से शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भारत और चीन के बीच लंबे वक्त तक बने हुए विवाद की समाप्ति के बाद बीजिंग में दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसका नतीजा ये रहा कि अब भारत और चीन के बीच फिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होगी !

जिसमें भारत का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने किया और चीन की तरफ से बैठक में विदेश मंत्री वांग यी शामिल हुए। विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद एक बयान जारी कर बताया कि विशेष प्रतिनिधियों ने अपनी वार्ता में इस बात के महत्व को रेखांकित किया कि सीमा के इलाकों में शांति और सौहार्द को बनाए रखने से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में काफी मदद मिलती है। सीमा के मसले पर दोनों के बीच सकारात्मक और रचनात्मकता बातचीत हुई। एलएसी पर जमीनी स्तर पर शांति बहाली की भी डोभाल और वांग यी ने वकालत की। बैठक में साझा हितों से जुड़े हुए भारत और चीन के दोनों पक्षों, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की गई। इसके अलावा सीमा पार सहयोग, कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से शुरुआत, सीमा पार नदी सहयोग और व्यापार के मामले पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच स्थिर और बेहतर संबंध क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यहां बता दें कि दोनों देशों के बीच 2020 से कोरोना महामारी के समय से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा पर रोक लगी हुई है।

कायम होगी सीमा पर शांति

मंत्रालय ने बताया कि अपनी बातचीत के दौरान 2020 के विवाद से सीख लेते हुए दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने सीमा पर शांति और सौहार्द कायम करने के उपायों पर मंथन किया और प्रभावी सीमा प्रबंधन पर भी जोर दिया। साथ ही इसकी प्राप्ति के लिए दोनों ने सैन्य और कूटनीतिक तंत्र के मार्गदर्शन का प्रयोग करने पर सहमति जताई। यह बैठक एलएसी विवाद की समाप्ति की भारत द्वारा 21 अक्टूबर 2024 को की गई घोषणा के बाद रूस के कजान शहर में दोनों देशों के राष्ट्रध्यक्षों के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक में बनी सहमति के आधार पर हुई। 2020 में हुए सीमा विवाद के खत्म होने के बाद हुई विशेष प्रतिनिधियों की यह पहली बैठक थी।

सेबी ने छोटी, मझोली कंपनियों के लिए आईपीओ नियमों को सख्त करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों (एसएमई) के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से संबंधित प्रक्रिया को सशक्त करने के लिए एक सख्त नियामकीय रूपरेखा को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सेबी ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) को सीमित करने का भी फैसला लिया है और प्रवर्तकों के लिए चरणबद्ध 'लॉक-इन' पेश किया है। सेबी के निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बयान के मुताबिक सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को भी मंजूरी दे दी। इसके अलावा अनुमोदित सुधारों का उद्देश्य एसएमई को एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड प्रदान करना और निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए जनता से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है। इस संबंध में बोर्ड ने सेबी (आईसीडीआर) विनियम, 2018 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में संशोधन को भी स्वीकृति दे दी है। यह कदम एसएमई के निर्गम बढ़ने के बाद उठाया गया है, जिसने महत्वपूर्ण निवेशक भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। लाभप्रदता मानदंड के संबंध में एसएमई इकाइयों की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि निर्गम लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त सालों में कम से कम एक करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दिखाना होगा। एसएमई आईपीओ में शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए ओएफएस की सीमा कुल निर्गम आकार के 20 फीसदी तक सीमित कर दी है। इसके अलावा विक्रय करने वाले शेयरधारक अपनी मौजूदा हिस्सेदारी का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा नहीं बेच सकेंगे। इसके अलावा, एमपीसी से ज्यादा प्रवर्तकों की शेयरधारिता चरणबद्ध 'लॉक-इन' अवधि के अधीन होगी। अतिरिक्त हिस्सेदारी का आधा हिस्सा एक साल के बाद जारी किया जाएगा, जबकि शेष 50 फीसदी दो सालों बाद जारी की जाएगी। एसएमई आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए आवंटन पद्धति को मुख्य बोर्ड आईपीओ में अपनाई गई पद्धति के अनुरूप बनाया जाएगा ताकि एकरूपता तय की जा सके।

सेबी ने कीमतों को नियंत्रित करने लिया फैसला, 'डेरिवेटिव' कारोबार लगी रोक बढ़ाई

नई दिल्ली।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने अहम फैसले लिए। इनमें आईपीओ, म्यूचुअल फंड और डेरिवेटिव ट्रेडिंग पर लिए फैसले शामिल हैं। सेबी ने कीमतों को नियंत्रित करने गेहूं और मूंग समेत सात कृषि उत्पादों में 'डेरिवेटिव' कारोबार पर रोक को जनवरी 2025 तक बढ़ा दिया है। सेबी ने धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों के बीज और उसके उत्पाद सोयाबीन और उसके उत्पाद पर भी रोक लगाई है। यह निर्देश शुरू में 19 दिसंबर 2021 को जारी किए गए थे। शुरुआत में इसे 20 दिसंबर 2022 तक के लिए तय किया था, लेकिन बाद में इसे दो बार और बढ़ाया। पहली बार एक अतिरिक्त साल के लिए 20 दिसंबर, 2023 तक और फिर 20 दिसंबर, 2024 तक। अब सेबी ने व्यापार प्रतिबंधों को 31 जनवरी 2025 तक लागू रखते हुए निलंबन को बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके अलावा सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों के आईपीओ लाने से संबंधित प्रोसेस को सशक्त करने के लिए एक रेगुलेटरी गाइडलाइन को मंजूरी दे दी है। सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन कर निवेश के नए उत्पाद पेश किए हैं। इसके तहत उच्च जोखिम लेने में सक्षम निवेशकों के लिए विशेषीकृत निवेश कोष के साथ सूचकांक और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड से संबंधित योजनाओं के अंतर्गत उदारीकृत 'म्यूचुअल फंड लाइट' की रूपरेखा पेश की है। इसका मतलब है कि इन प्रोडक्ट को निवेशक के हिसाब से डिजाइन किया है। सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा नियामक ने निवेश बैंकिंग मानदंडों में आमूलचूल बदलाव करने का फैसला किया है। एसएमई यूनिट्स की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि आईपीओ लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना दस्तावेजों का मसौदा दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त सालों में कम से कम एक करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दिखाना होगा।

सीजीएसटी कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है जीएसटी, रियल एस्टेट कंपनियों को लगेगा झटका

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है। इससे सफारी रिट्रीट्स मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी हो जाएगा जिसमें किराए की प्रॉपर्टी की निर्माण लागत पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों की अनुमति दी थी। ऐसा हुआ तो रियल एस्टेट कंपनियों को झटका लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान होने की आशंका जताई थी। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इसका प्रभाव करीब 10 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है क्योंकि फैसला 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सीजीएसटी अधिनियम में इस्तेमाल किए गए शब्द 'प्लांट ऐंड मशीनरी' और 'प्लांट ऑर मशीनरी' अलग-अलग हैं जिन्होंने 'प्लांट' को परिभाषित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए हैं। कोर्ट ने कहा कि आईटीसी के लिए पात्रता का मूल्यांकन हर मामले के आधार पर किया जाना चाहिए। उसमें करदाता के कारोबार की प्रकृति और मकान के उपयोग जैसे कारकों पर विचार करना चाहिए।

इस मामले से जुड़े एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की कानून समिति ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गंभीरता से विचार किया है। समिति ने अस्पष्टता दूर करने और भविष्य में मुकदमेबाजी को रोकने के लिए 1 जुलाई, 2017 से सीजीएसटी अधिनियम में संशोधन करने की सिफारिश की है। समिति ने पाया कि 'प्लांट ऑर मशीनरी' शब्द के बारे में कोर्ट का फैसला जीएसटी परिषद के साथ-साथ विधायिका की मंशा को भी विफल करता है।

अधिकारी ने कहा कि कानून समिति ने पाया कि हर मामले में तथ्यों की जांच के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि परिसंपत्ति सीजीएसटी अधिनियम के तहत प्लांट के तहत आती है या नहीं। इससे काफी भ्रम और अराजकता पैदा हो सकती है जिससे मुकदमेबाजी बढ़ सकती है। इसलिए यह सुचारु कर प्रशासन और कारोबारी सुगमता के लिहाज से उपयुक्त नहीं होगा।

पीडब्ल्यूसी के टैक्स पार्टनर ने कहा कि नीतिगत दृष्टिकोण से देखा जाए तो निर्माण से जुड़े खर्च पर इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति दी जानी चाहिए।

शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक रहा 2024 का साल, कंपनियों ने खूब जुटाए पैसे

3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड पूंजी कमाई

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए 2024 एक ऐतिहासिक साल रहा है। कंपनियों ने 2024 में अब तक इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ), क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) और राइट्स इश्यू के जरिए 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड पूंजी कमाई है। इसके पहले 2021 में कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.88 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस साल अब तक 90 कंपनियों ने 1.62 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है या इसकी घोषणा की है, जो पिछले साल के 49,436 करोड़ रुपये से 2.2 गुणा अधिक है। 2024 में नए इश्यू के जरिए जुटाई गई राशि करीब 70,000 करोड़ रुपये है, जबकि 2021 में यह आंकड़ा 43,300 करोड़ रुपये था। 2024 में अब तक 88 कंपनियां क्यूआईपी के जरिए 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटा चुकी हैं। इसके पहले क्यूआईपी के द्वारा सबसे अधिक राशि 80,816 करोड़ रुपये 2020 में 25 कंपनियों द्वारा जुटाई गई थी। इस अब तक 20 कंपनियों ने राइट्स इश्यू के जरिए करीब 18,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 7,266 करोड़ रुपये और 2022 में यह 3,884 करोड़ रुपये था। 2024 के आखिरी दो हफ्तों में भी यह आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि इस हफ्ते डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स, वेंटीव हॉस्पिटैलिटी, कैरारो इंडिया, सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स, ट्रांसरेल लाइटिंग, कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स, सनाथन टेक्सटाइल्स और ममता मशीनरी जैसी कंपनियों का आईपीओ खुला रहा है।

भारत में वोडाफोन आइडिया ने शुरु की 5जी सेवाएं

नई दिल्ली । भारत में वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने अपनी 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। शुरुआती चरण में कंपनी ने17 सर्किलों में 5जी नेटवर्क लॉन्च किया है। इनमें बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली जैसे बड़े शहर शामिल हैं। वीआई कंपनी ने कहा है कि जल्द ही अन्य शहरों में भी 5जी सेवाएं शुरू की जाएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीआई ने 3.3जीएचझेड और 26जीएचझेड स्पेक्ट्रम का उपयोग करके 5जी नेटवर्क स्थापित किया है। 5जी सेवाओं का फायदा प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों यूजर्स उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए यूजर्स को अपने स्मार्टफोन में 5जी नेटवर्क को एनेबल करना होगा। कीमत की बात करें तो प्रीपेड ग्राहकों को 5जी कनेक्टिविटी के लिए 475 रुपये के रिचार्ज पैक की जरूरत होगी। वहीं, पोस्टपेड यूजर्स के लिए रेडएक्स 1101 प्लान पेश किया गया है, जिसमें 5जी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वोडाफोन आइडिया का यह कदम भारत के बढ़ते 5जी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जल्द ही अन्य शहरों में भी नेटवर्क विस्तार की उम्मीद है। बता दें कि वीआई के सीईओ ने जनवरी 2024 में घोषणा की थी कि 5जी रोलआउट छह से सात महीनों के भीतर शुरू किया जाएगा। हालांकि एयरटेल और रिलायंस जियो की तुलना में वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों को 5जी सेवाओं के लिए थोड़ा अधिक इंतजार करना पड़ा है। वोडाफोन आइडिया फिलहाल 17 लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्रों (एलएसए) में 5जी कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है।

रुपया गिरावट के साथ खुला , 85 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 85 के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) फेड के अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 18 पैसे गिरकर 85.12 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड के फैसले के बाद डॉलर में जोरदार तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 108 के स्तर को पार कर गया। भारतीय मुद्रा के अलावा अन्य विदेशी मुद्राओं में भी इसका असर देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85.06 रुपये पर खुला। घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं गत कारोबारी दिन भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 84.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों ने कहा, डॉलर इंडेक्स का 108 से ऊपर जाना और 10 साल के बॉन्ड यील्ड का 4.52 प्रतिशत पर पहुंचना एफआईआई कोष प्रवाह के दृष्टिकोण से नकारात्मक है। लेकिन यह केवल अस्थायी होने की संभावना है।

गोदरेज प्रोफेशनल ने शरवरी को ब्रांड एंबेसडर बनाया

मुंबई । गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का प्रमुख प्रोफेशनल हेयर ब्रांड, ने बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री शरवरी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है। शरवरी, जो मुंज्या, महाराज और वेद जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं, अपने फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व और आत्मविश्वास के साथ ब्रांड की प्रतिबद्धता को बखूबी दिखाती हैं। इस गठजोड़ पर टिप्पणी कर गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के अधिकारी ने कहा कि शरवरी के पास लाखों लोग हैं, जो उनकी स्टाइल और ग्रेस को पसंद करते हैं, और उनका गोदरेज प्रोफेशनल के साथ जुड़ाव एक महत्वपूर्ण विकास है, खासकर जब ब्रांड हेयर और ब्यूटी इंडस्ट्री में अपना विस्तार कर रहा है। इस नई साझेदारी पर शरवरी ने कहा, गोदरेज प्रोफेशनल के लिए पहला ब्रांड एंबेसडर बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। शरवरी ने 2025 के ट्रेंडिंग हेयर कलर और स्टाइलिंग लुक को पेश करते हुए शोस्टॉपर के रूप में कार्यक्रम में अपनी छाप छोड़ी।

देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा

मुंबई । भारत में मधूमेह के बढ़ते मामलों के बीच आई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार 2024-33 के दौरान दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों के साथ-साथ विश्वसनीय मॉनिटरिंग टूल्स तक सीमित पहुंच, एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती पेश करती है। 2024 में, भारत का ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार एशिया-प्रशांत बाजार का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्थानीय जरूरतों के अनुरूप किफायती और इनोवेटिव सॉल्यूशन पर बढ़ते फोकस को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग सॉल्यूशन की बढ़ती उपलब्धता के बाद भी अफोर्डिबिलिटी, यूजर एजुकेशन और एक्सेसेबिलिटी को लेकर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ा अंतर बना हुआ है। लोकल स्तर पर मैन्युफैक्चर किए गए डिवाइस इस अंतर को खत्म कर सकते हैं। भारत में डायबिटीज का बोझ केयर डिलीवरी में अंतर को खत्म करने और डायबिटीज मैनेजमेंट को लगातार प्रमोट करने की तत्काल जरूरत को दिखाता है। हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना और कम्युनिटी लेवल पर बढ़ती जागरूकता डायबिटीज मैनेजमेंट के तरीके को बेहतर बना सकते हैं और देश भर में दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग डिवाइस का बाजार 2024 में 366.53 मिलियन डॉलर का था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्वानुमान अवधि में 2030 तक 7.08 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ प्रभावशाली वृद्धि का अनुमान है।

फैड के फैसले के बाद शेयर बाजार टूटा

सेंसेक्स 964 , निफ्टी 247 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट पर बंद हुए। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फैड) के ब्याज दरों में कटौती को लेकर आये फैसले से आई है। जिससे बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को 1.20 अंक तकरीबन 964.15 अंक नीचे आकर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.02 फीसदी करीब 247.15 अंक नीचे आकर 23,951.70 पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व नेलगातार तीसरी बार ब्याज दर में 25 बेसिस अकों) की कटौती की है। अब ब्याज दर 4.25 फीसदी से 4.5 फीसदी के बीच है। फेड ने हालांकि संकेत दिया है कि आगे ब्याज दरों में कटौती धीमी हो सकती है, जिससे निवेशक सतर्क हो गए हैं। फेड की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में केवल दो और बार कटौती की संभावना है, जबकि सितंबर में चार कटौती की उम्मीद जताई गई। एशिया-पैसिफिक के शेयर बाजार में भी गुरुवार को गिरावट दर्ज की गयी। यह गिरावट वॉल स्ट्रीट पर भारी बिकवाली के बाद आई। इस बीच, जापान मुख्य केन्द्र रहा, जहां बैंक ऑफ जापान ने अपनी दो-दिवसीय पॉलिसी बैठक समाप्त खत्म की और ब्याज दर 0.25 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया। फेड के ब्याज दरों में कटौती के फैसले के बाद भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आई है। फेडरल रिजर्व ने 2024 में तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती की है। फेडरल रिजर्व की कटौती के इस फैसले से वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता की लहर पैदा कर दी है। इससे डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर पहुंच गया है।

जिससे भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भारी गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। विदेशी निवेशकों के घरेलू शेयर बाजारों से पैसा निकालने की वजह से भी स्टॉक मार्केट में गिरावट आई है।

इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट रही। इसी कारण सेंसेक्स करीब 1,000 अंक की गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 921.28 अंक करीब 1.15 फीसदी गिरावट के साथ 79,260.92 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 282.35 अंक तकरीबन 1.17 फीसदी नीचे आकर 23,916.50 अंक पर खुला।

निवेशकों को 5.94 लाख करोड़ का घाटा

इस गिरावट के बीच ही बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर 5.94 लाख करोड़ रुपये से घटकर 446.66 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई और एचसीएल टेक के शेयर नीचे आये इसके अलावा एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही। अमेरिका में रेट से जुड़ी आईटी कंपनियों के शेयर 5 फीसदी नीचे आये। एलटीआईमाइंडट्री, एमफेसिस और विप्रो के शेयरों में भी भारी गिरावट रही। इस बीच शेयर बाजार में उतारचढ़ाव के बीच ही इंडिया वीआई एक्स इंडेक्स 5 फीसदी उछलकर 14.37 पर पहुंच गया।

गौरतब है कि फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कमी की है।

गोल्ड लोन मे रिकॉर्ड 56 फ़ीसदी की वृद्धि

मुंबई । देश में सोने पर लोन लेने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। पिछले 1 वर्ष में गोल्ड लोन मैं 56 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। होम लोन में 18 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।बाकी सभी सेक्टर में लोन लेने वालों की संख्या घटी है।केवल गोल्ड में कर्ज लेने वालों संख्या तेजी के साथ बढ़ रही है। प्रमुख 9 कैटेगरी में लोन के सबसे अधिक 56 फ़ीसदी की तेजी गोल्ड लोन में देखी गई है। इसके बाद 18 फ़ीसदी की वृद्धि हाउसिंग लोन में है।जो दूसरे नंबर पर है। पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या 11 फ़ीसदी बढ़ी है। पिछले वर्ष 23 फ़ीसदी थी, जो अब घटकर 11 फ़ीसदी रह गई है। देश में जिस तरह से महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है।उसके बाद देश में लोन लेने का ट्रेंड भी तेजी के साथ बदल रहा है। भारत में 9 कैटेगरी में रिटेल लोन 47.8 फ़ीसदी,पर्सनल लोन 26.7 फ़ीसदी, व्हीकल लोन 11.7 फ़ीसदी, क्रेडिट कार्ड पर लोन 5.03 फीसदी, गोल्ड पर 2.9 फ़ीसदी,एजुकेशन लोन 2.5 फ़ीसदी,एफड़ी पर 2.4 फ़ीसदी लोन वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिया गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा की कीमत में बढ़ोतरी

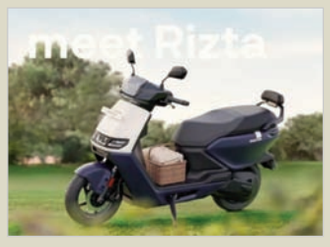

नई दिल्ली । एथर एनर्जी कंपनी ने अपने पॉपुलर फैमिली इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा की कीमत बढाने की घोषणा की है। एथर एनर्जी ने जानकारी दी है कि 1 जनवरी 2025 से इस स्कूटर की कीमत में 4,000 से 6,000 रुपये तक का इजाफा किया जाएगा। फिलहाल भारतीय बाजार में एथर रिज्टा की कीमत 1.10 लाख रुपये से 1.47 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है। एथर रिज्टा इलेक्ट्रिक स्कूटर को भारतीय बाजार में तीन वेरिएंट्स और सात कलर ऑप्शन के साथ लॉन्च किया गया है। यह स्कूटर अपने सेगमेंट में टीवीएस आईक्यूब और ओला एस1 एयर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटरों को कड़ी टक्कर देता है। एथर रिज्टा की सबसे बड़ी खासियत इसका 56 लीटर का विशाल स्टोरेज स्पेस है, जो इसे भारत का पहला ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाता है जिसमें इतना बड़ा स्टोरेज स्पेस दिया गया है। इसमें सीट के नीचे 34 लीटर का बूट स्पेस और फ्रंट एप्रॉन पर 22 लीटर का फ्रंक शामिल है। एथर रिज्टा में 4.3 किलोवॉट मोटर दी गई है, जो एथर 450एक्स में भी इस्तेमाल की जाती है। स्कूटर में दो बैटरी पैक विकल्प दिए गए हैं - 2.9केडब्ल्यूएच और 3.7केडब्ल्यूएच, जो क्रमशः 123 किमी और 160 किमी की रेंज देते हैं। चार्जिंग टाइम की बात करें तो 2.9केडब्ल्यूएच बैटरी को फुल चार्ज होने में 6 घंटे 40 मिनट और 3.7केडब्ल्यूएच बैटरी को 4 घंटे 30 मिनट का समय लगता है।

विदेशों से पैसा भेजने वालों में भारत दुनिया में नंबर वन पर

2024 में 10.7 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे

नई दिल्ली।

विदेश से अपने देश पैसे भेजने वालों में भारतीय दुनियाभर में अव्वल हैं लगातार तीसरे साल भी यह सिलसिला बरकरार है। भारतीयों ने 2024 में 129 बिलियन डॉलर यानी करीब 10.7 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे हैं। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.95 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे गए थे। विश्व बैंक की एक ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक रेमिटेंस पाने में भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान का नंबर आता है। रेमिटेंस विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक जरिया है। भारत में खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों से रेमिटेंस आता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल रेमिटेंस की वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही, जो 2023 के मुकाबले 1.2 फीसदी ज्यादा है। महामारी के बाद आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों में नौकरी बाजार की रिकवरी को इस वृद्धि का मुख्य कारण बताया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया कि पिछले दशक में रेमिटेंस में 57 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 41 फीसदी की गिरावट आई है। विश्व बैंक ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 685 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा कि प्रेषण अन्य बाहरी वित्तीय प्रवाहों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भविष्य में और बढ़ोतरी की संभावना है। दक्षिण एशिया में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 11.8 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। इस क्षेत्र में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश

प्रमुख योगदानकर्ता रहे। बता दें 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 111.22 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.28 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे थे। इस कारण भारत 100 बिलियन डॉलर यानी 8.34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला पहला देश बन गया था। विशे व बैंक विशेषज्ञों का कहना है कि रेमिटेंस का इस्ते माल गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा के वित्तपोषण, और परिवारों की वित्तीय समावेशन में किया जाना चाहिए।

सोने और चांदी की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों के नीचे आने से घरेलू बाजारों में भी गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने की कीमतें 0.93 फीसदी नीचे आकर 75,938 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 2.50 फीसदी फिसलकर 88,116 रुपए प्रति किलोग्राम रही गयीं। गत बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपए टूटकर 79,100 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। पिछले सत्र में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 79,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। तीन दिन की गिरावट के बाद बुधवार को चांदी 500 रुपए उछलकर 92,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। वहीं मंगलवार को यह 91,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। पिछले तीन सत्रों में चांदी 5,500 रुपए प्रति किलोग्राम गिरी है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए गतिरोध समाप्त, भारत और पाकिस्तान के बीच बनी सहमति

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच 2024 से 2027 तक चैंपियंस ट्रॉफी और आईसीसी स्पर्धाओं के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के गतिरोध को समाप्त हो गया है और भारत और पाकिस्तान ने हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की है। दोनों पक्षों में हुए समझौते के तहत आठ टीमों की चैंपियंस ट्रॉफी स्पर्धा में भारत के मैच तटस्थ स्थल पर खेले जाएंगे। इसके बदले में भारत में आयोजित होने वाली आईसीसी स्पर्धाओं में भारत के साथ पाकिस्तान के मैच भी तटस्थ स्थल पर होंगे।

दोनों पक्षों में हुए समझौते पर आईसीसी बोर्ड में मतदान हो सकता है। यह समझौता पाकिस्तान में पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025, भारत में वर्ष 2025 में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्वकप तथा 2026 में भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप पर लागू होगा। ऐसा माना जा रहा है यह 2028 में पाकिस्तान में होने वाले महिला टी-20 विश्वकप पर भी यह लागू हो सकता है। तटस्थ स्थल का प्रस्ताव टूर्नामेंट के मेजबान बोर्ड द्वारा किया जाएगा और उसे आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया जायेगा।

आईसीसी ने कहा है कि उसे भारत, पाकिस्तान और किसी अन्य एशियाई पूर्ण सदस्य राष्ट्र को शामिल करने वाले त्रिकोणीय टी-20 टूर्नामेंट के आयोजन पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि ऐसे टूर्नामेंट तटस्थ स्थल पर खेले जाएं। इस तरह की त्रिकोणीय श्रृंखला का विचार अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मैचों की मेजबानी खोने के लिए पाकिस्तान के मुआवजे के रूप में आया।

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता, कोच एंसेलोटी ने बनाया रिकॉर्ड

लुसैल (कतर) (एजेंसी)। रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता, जिससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्राफियां जीतने वाले कोच बन गए।

रियाल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज़ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, 'मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया।'

किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया। इससे पहले उसने 1960, 1998 और 2002 में भी यह टूर्नामेंट जीता था।

क्रिकेटर के तौर पर खेलता रहूंगा: अश्विन

-2025 सत्र में सीएसके की ओर से खेलेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिन आर अश्विन ने कहा है कि भले ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है पर एक क्रिकेटर के तौर पर वह अभी खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं जितने अधिक समय तक हो उतने लंबे समय तक खेलता रहूंगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के ड्रॉ होने के तत्काल बाद ही अश्विन ने खेल को अलविदा कह दिया था। इसी के साथ ही भारतीय टीम के साथ उनका 14 साल का करियर भी समाप्त हो गया। अब अश्विन आगामी आईपीएल 2025 सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने को तैयार हैं। उन्हें पिछले महीने मेगा नीलामी में 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

अश्विन ने कहा, मैं सीएसके के लिए खेलने जा रहा हूं और अगर मैं लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं तो हैरान न हों। मुझे नहीं लगता कि अश्विन क्रिकेटर के तौर पर खेलना बंद कर चुके हैं, मुझे लगता है कि अश्विन के भारतीय क्रिकेटर के तौर पर शायद अब खेलने का समय आ गया है। बस इतना ही। अपने संन्यास के बारे में बात करते हुए अश्विन ने खुलासा किया कि यह फैसला सहज था और उन्हें राहत और संतुष्टि की भावना का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत से लोगों के लिए भावनात्मक है। यह भावनात्मक होगा, शायद यह उनके दिमाग में उतर जाए। लेकिन मेरे लिए, यह राहत और संतुष्टि की बहुत बड़ी भावना है।

अश्विन ने 106 टेस्ट मैचों में 24 की औसत से 537 विकेट के साथ अपने करियर का अंत किया और दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के बाद भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने बल्ले से छह टेस्ट शतक और 14 अर्द्धशतक भी लगाए। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच एडिलेड में खेला गया डे-नाइट टेस्ट था जिसमें उन्होंने 1-53 रन बनाए थे।

मेलबर्न टेस्ट में जसप्रीत बुमराह रच सकते हैं इतिहास, निशाने पर कई दिग्गजों का महारिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के तहत तीन मैच खेला जा चुके हैं। जिसमें से दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीतकर सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। वहीं अब चौथा टेस्ट दोनों टीमों के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में बुमराह के पास अनोखा रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा।

बुमराह को महज 6 विकेट की दरकार

बुमराह अगर इस मैच में 6 विकेट हासिल कर लेते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लेंगे। बुमराह ने अभी तक खेले गए 43 टेस्ट की 83 पारियों में 194 विकेट लिए हैं। बुमराह मेलबर्न में इस आंकड़े को छू लेते हैं तो वह भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट

विकेट लेने के मामले में रविंद्र जडेजा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर आ जाएंगे।

वहीं बतौर तेज गेंदबाज भारत के लिए सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले गेदंबाज बनेंगे। फिलहाल ये रिकॉर्ड कपिल देव के नाम है, जिन्होंने 50वें टेस्ट में ये मुकाम हासिल किया था।

बुमराह ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर खेले गए 202 मैच की 240 पारियों में 432 विकेट लिए हैं। अगर वह 3 विकेट हासिल कर लेते हैं भारत के लिए सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में इशांत शर्मा को पछाड़कर नौवें नंबर पर आ जाएंगे। इशांत ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 199 मैच की 280 पारियों में 434 विकेट झटके हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट

बुमराह अगर 5 विकेट ले लेते हैं तो कामयाब होते हैं तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 150 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के पांचवें गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक रविचंद्रन अश्वि, नाथन लियोन, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। बुमराह ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 33 टेस्ट की 63 पारियों में 145 विकेट लिए हैं।

अश्विन के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली कर सकते हैं संन्यास की घोषणा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पूरा होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। अश्विन के अचानक संन्यास लेने के फैसले से कई प्रशंसक हैरान रह गए। इस तरह वह एमएस धोनी के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बीच संन्यास की घोषणा करने वाले दूसरे हाई प्रोफाइल क्रिकेटर बन गए।

इस बीच, विशेषज्ञों के अनुसार, अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा अश्विन के नक्शेकदम पर चलकर जल्द ही संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज के दौरान दोनों दिग्गज बल्लेबाजों की बल्लेबाजी तकनीक जांच के दायरे में है। जहां रोहित का पिछली 11 पारियों में औसत 11.69 का रहा है, वहीं ऑफ स्टंप के बाहर गेंद से निपटने में कोहली की तकनीक को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने पूरी तरह से उजागर कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, कोहली और रोहित अगले महीने की शुरुआत में सिडनी में अपना आखिरी टेस्ट खेल सकते हैं। टीम इंडिया पूरी तरह से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ऐसे में कोहली और रोहित युवा और प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए रास्ता बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर सकते हैं। ऐसी अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा भी सीरीज के बाद संन्यास की घोषणा कर सकते हैं।

जब मीडिया पर भड़के विराट

मेलबर्न । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली यहां मेलबर्न एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद उस समय एक मीडियाकर्मी पर भड़क गये जब उसने कैमरे का फोकस उनके परिवार पर कर दिया। इसी को लेकर कोहली की एक पत्रकार के साथ तीखी बहस हुई, क्योंकि वह अपने परिवार पर कैमरों की मौजूदगी से परेशान हो गये। ये मामला तब का है जब रिपोर्टर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का साक्षात्कार ले रहे थे। तभी विराट कोहली और उनका परिवार वहां पहुंचा। तभी मीडियाकर्मियों के कैमरे उनके परिवार पर घूम गये। कोहली इस प्रकार अपने परिवार की सार्वजनिक स्थान पर तस्वीरें लिए जाने से नाराज हो गये। इसी को लेकर एक मीडिया कर्मचारी ने कहा, कोहली को लगा कि मीडिया उनके बच्चों की तस्वीरें खींच रहा है जबकि ये सही नहीं था। कोहली ने कहा, मेरे बच्चों के साथ मुझे प्राइवेसी की जरुरत है, आप मुझसे पूछे बिना फिल्म नहीं बना सकते। बाद में, जब मीडिया ने बताया कि उनके बच्चों को फिल्माया नहीं जा रहा है, तो विराट ने मीडिया के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट की और कैमरामैन से हाथ मिलाया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट अब तक केवल एक शतक लगाने के अलावा असफल रहे हैं। पिछले तीन मैचों में उन्होंने केवल 21 रन बनाए हैं। अभी ये सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

विराट से मिलने की इच्छा जताई सिमरन शेख ने

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली से अनकैप्ड बल्लेबाज सिमरन शेख ने मिलने की इच्छा जताई। महिला प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा 1.9 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद सिमरन सुर्खियों में आईं। हाल ही में सिमरन ने यह भी खुलासा किया कि विराट उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनका लक्ष्य भारत का प्रतिनिधित्व करना है, जिसके लिए वह हर संभव प्रयास कर रही हैं। सिमरन ने कहा, मेरा सपना एक बार विराट कोहली से मिलना है। मुझे बस भारत की जर्सी चाहिए और इसलिए मैं ये सब प्रयास कर रही हूं। अनकैप्ड बल्लेबाज के लिए दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी बोली लगाने की होड़ में शामिल हुई। उनका बेस प्राइस 5 लाख रुपए था और जायंट्स ने उन्हें 1.9 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा। टूर्नामेंट के पहले सीजन में सिमरन ने गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी के लिए खेला और 9 मैचों में हिस्सा लिया। सिमरन को लगता है कि फ्रैंचाइजी में योगदान देना उनकी जिम्मेदारी है और उन्होंने कहा, मैं जीजी (गुजरात जायंट्स) परिवार का शुक्रिया अदा करती हूं। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद अब उनके लिए प्रदर्शन करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं अपने माता-पिता का शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि मेरे समुदाय में ऐसी चीजों के लिए ज़्यादा समर्थन नहीं है, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। नीलामी पर बोलते हुए मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने कहा कि टीम की प्राथमिकता ऐसे खिलाड़ियों को हासिल करना है जो प्लेइंग 11 में प्रभाव डाल सकें और सिमरन टीम के लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, सिमरन शेख टीम के लिए एक और मूल्यवान खिलाड़ी हैं। वह बहुत ताकत लेकर आती हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। महिला क्रिकेट में ऐसी मुट्ठी भर खिलाड़ी ही हैं जो ऐसा कर सकती हैं।

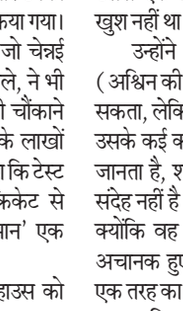

भारतीय टीम उत्साहित होकर मेलबर्न पहुंची

जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे से होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए यहां पहुंच गयी है। अभी तक ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला टेस्ट भारतीय टीम ने जीता था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता। मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पिछले एक दशक से भारतीय टीम के लिए अच्छा साबित हुआ है और एक प्रकार से घरेलू मैदान की तरह ही बन गया है। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक में यहां 3 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से उसे दो में जीत मिली है जबकि मेजबान टीम एक भी मैच नहीं जीती है। दोनों टीमें अब 26 दिसंबर से ही यहां खेलेंगी। भारतीय टीम यहां जीत की हैट्रिक बनाने के इरादे के साथ मैदान पर उतरेगी।

पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में पहला टेस्ट 1948 में खेला। इस साल उसने यहां दो टेस्ट मैच खेले जिसमें से उसे एक में पारी की हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने मैच में 233 रन से टीम हारी इसके बाद 1968 में भारतीय टीम की यहां पारी से हार हुई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में भारत के खिलाफ लगातार तीन जीत दर्ज की। कुल रिकॉर्ड की बात करें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में अब तक 14 टेस्ट मैच में से 4 मैच जीते हैं, जबकि 8 वह हारी है और 2 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत 1978 में बिशन सिंह बेदी की कप्तानी में मिली। भारतीय टीम ने यहां 222 रन से मुकाबला जीता। इस जीत में मुख्य भूमिका महान स्पिनर भगवत चंद्रशेखर ने 12 विकेट लेकर निभाई थी जबकि सुनील गावस्कर ने शतक लगाया था।

विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था। वहीं 2020 में विराट कोहली के बीच में ही सीरीज से लौटन पर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया था।

सनवे सिट्जस ब्लिट्ज़ : भारत के इलामपारथी रहे उपविजेता, ईरान के महदी बने विजेता

बार्सिलोना । दुनिया के प्रतिष्ठित शतरंज टूर्नामेंट में शुमार सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव में इस क्लासिकल के साथ साथ रैपिड और ब्लिट्ज़ के मुक़ाबले भी खेले जा रहे है और कल इसमें सम्पन्न हुए इंटरनेशनल ब्लिट्ज़ शतरंज टूर्नामेंट में 31 देशो के करीब 100 चुनिन्दा खिलाड़ियों नें भाग लिया और इसमें भारत के उभरते हुए शतरंज खिलाड़ी एआर इलामपारथी नें शानदार खेल दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया । बड़ी बात यह रही की सातवें वरीय इलामपारथी नें इस दौरान अंतिम तीन राउंड में लगातार तीन जीत दर्ज की उन्होनें सातवे राउंड में कनाडा के इंटरनेशनल मास्टर एंथनी अटनासोव को फिर आठवे राउंड में टॉप सीड जर्मनी के ग्रांड मास्टर अलेक्ज़ेंडर डोनचेंकों को और नौवे फाइनल राउंड में जॉर्जिया के फीडे मास्टर डेनियल सफ़रोव को पराजित करते हुए कुल 8 अंक बनाए । ईरान के ग्रांड मास्टर छठे वरीय महदी घोलामी 8.5 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे और पिछले दिनो एलोब्रेगात ब्लिट्ज़ जीतने के बाद यह उनका दूसरा ब्लिट्ज़ खिताब है । 7 अंक बनाकर बेहतर ट्राईब्रेक के आधार पर फ्रांस के लोइक त्रावडोन तीसरे स्थान पर रहे ।

जिम्बाब्वे 54 पर ऑलआऊट, अफगानिस्तान की मिली सबसे बड़ी वनडे जीत

खेल डैस्क - अफगानिस्तान ने हरारे के मैदान पर जिम्बाब्वे को 232 रन से हराकर इतिहास रच दिया है। यह रनों के लिहाज से अफगानिस्तान की सबसे बड़ी जीत है। सेदिकुल्लाह अटल (104) की शतकीय और अब्दुल मलिक (84) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए 286 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी जिम्बाब्वे की टीम 54 रन पर ऑल आऊट हो गई। जिम्बाब्वे का यह अफगानिस्तान के खिलाफ सबसे न्यूनतम टोटल भी रहा। जिम्बाब्वे की फारूकी, उमरजई और नवीद जादरान की स्विंग और सीम के आगे कमजोरी उजागर हो गई। बेन कुरेन के दुर्भाग्यशाली रन-आउट को छोड़कर, बाकी बल्लेबाज टिक ही नहीं पाए। जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक की सलामी जोड़ी बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 191 रनों की साझेदारी की। 35वें ओवर में एन न्यामुरी ने अब्दुल मलिक (84) को बोल्ड कर जिम्बाब्वे को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने अजमतउल्लाह ओमरजई (5) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। तीसरे विकेट के रूप में रहमत शाह (1) रन बनाकर आउट हुए। 43वें ओवर में एन न्यामुरी ने सेदिकुल्लाह अटल को भी अपना शिकार बना लिया। सेदिकुल्लाह अटल ने 128 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से 104 रनों की पारी खेली। 49वें ओवर में मोहम्मद नबी (18) रन बनाकर आउट हुए। आखिरी ओवर में इकराम अलीखिल (5) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (29) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट पर 286 का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से एन न्यामुरी ने 3 विकेट लिए। ट्रेवर ग्वांडू ने 2 बल्लेबाज को आउट किया।

मेरे उतार-चढ़ाव में हमेशा साथ दिया, उसके लिए धन्यवाद : टिम साउथी

हैमिल्टन । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउथी ने अपने विदाई टेस्ट मैच के बाद कहा कि मैंने वर्षों से खेलने का आनंद लिया है। इस अवसर पर मैं कुछ लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। पिछले 17 वर्षों में उतार-चढ़ाव के दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट ने हमेशा साथ दिया। साथ ही सहयोगी स्टाफ को भी धन्यवाद देना चाहूंगा। प्रशंसकों को भी। प्रशंसकों के सामने आना हमेशा अच्छा होता है, और इस सप्ताह सेडॉन पार्क में भारी भीड़ के सामने खेलना बहुत खास रहा। अब मैं एक प्रशंसक के रूप में मैच देखने के लिए उत्सुक रहूंगा। साउदी ने 776 अंतर्राष्ट्रीय विकेटों के साथ खेल से संन्यास लिया है। वह सभी प्रारूपों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कीवी गेंदबाज हैं। साउथी ने 391 टेस्ट विकेट हासिल किए, जो रिचर्ड हैडली (431 विकेट) के बाद किसी भी न्यूजीलैंड गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे अधिक विकेट है। टी20 इंटरनेशनल में वह 164 विकेट के साथ अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 221 एकदिवसीय विकेटों के साथ, वह काइल मिल्स (240 विकेट) और डैनियल विटोरी (297 विकेट) के बाद, कीवीज के लिए एकदिवसीय मैचों में तीसरे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह निचले क्रम के एक सक्षम बल्लेबाज भी थे, जिन्होंने 394 मैचों में 14.11 की औसत और 8 अर्द्धशतकों के साथ 3,288 रन बनाए। इनमें से अधिकांश रन टेस्ट में आए, जिसमें 15.48 की औसत से 2,245 रन बने, जिसमें 7 अर्द्धशतक शामिल थे। टेस्ट में उन्होंने 98 छक्के लगाए हैं। ऐसा कर वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले प्लेयरों की सूची में चौथे स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की है।

बेटे के संन्यास पर रविचंद्रन अश्विन के पिता का चौंकाने वाला खुलासा

चेन्नई (एजेंसी) । रविचंद्रन अश्विन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद गुरुवार को स्वदेश लौट आए। अपने संन्यास के फैसले से क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले अश्विन ऑस्ट्रेलिया से तुरंत वापस चले आए और उनका चेन्नई एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां तक कि अश्विन के पिता और मां जो चेन्नई लौटने पर आंखों में आंसू लिए उनसे मिले, ने भी माना कि यह खबर उनके लिए उतनी ही चौंकाने वाली थी जितनी कि दुनिया भर में उनके लाखों प्रशंसकों के लिए। अश्विन के पिता ने कहा कि टेस्ट के महान खिलाड़ी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने के पीछे 'अपमान' एक कारण हो सकता है।

अश्विन के पिता ने एक मीडिया हाउस को बताया, 'मुझे भी आखिरी समय में पता चला। उसके दिमाग में क्या चल रहा था, मुझे नहीं पता। उसने बस घोषणा कर दी। मैंने भी इसे पूरी खुशी के साथ स्वीकार किया। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं थी। लेकिन जिस तरह से उसने संन्यास लिया, उससे एक तरफ मैं बहुत खुश था, दूसरी तरफ खुश नहीं था क्योंकि उसे जारी रखना चाहिए था।'

उन्होंने कहा, '(संन्यास लेना) उसकी (अश्विन की) इच्छा है, मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता, लेकिन जिस तरह से उसने संन्यास लिया, उसके कई कारण हो सकते हैं। केवल अश्विन ही जानता है, शायद अपमान के कारण। इसमें कोई संदेह नहीं है (परिवार के लिए भावनात्मक क्षण) क्योंकि वह 14-15 साल तक मैदान पर था। अचानक हुए बदलाव, रिटायरमेंट ने हमें वाकई एक तरह का झटका दिया।'

अश्विन अपने खेल के शीर्ष पर थे, खासकर टेस्ट क्रिकेट में लगभग एक दशक से। उन्होंने अपने करियर का अंत देश के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में किया। न सिर्फ टेस्ट में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी। अश्विन के पिता को लगता है कि वह खेलना जारी रख सकते थे, लेकिन उन्हें इसे छोड़ना पड़ा क्योंकि उन्हें 'अपमानित' किया जा रहा था।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, इसमें कोई संदेह नहीं है (परिवार के लिए भावनात्मक क्षण), क्योंकि वह 14-15 साल तक मैदान पर था। अचानक हुए बदलाव - रिटायरमेंट - ने हमें वाकई एक तरह का झटका दिया। साथ ही, हम इसकी उम्मीद भी कर रहे थे क्योंकि अपमान हो रहा था। वह कब तक इन सब चीजों को बर्दाश्त कर सकते हैं? रविचंद्रन ने कहा, 'शायद, उन्होंने खुद ही फैसला किया होगा।'

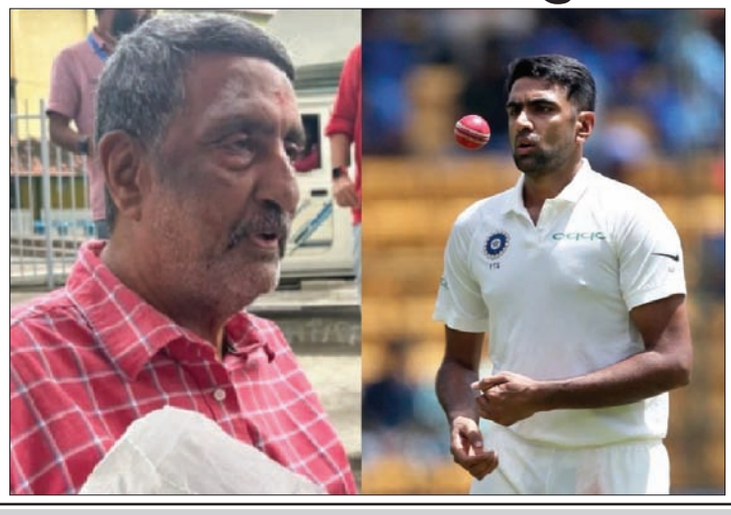

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

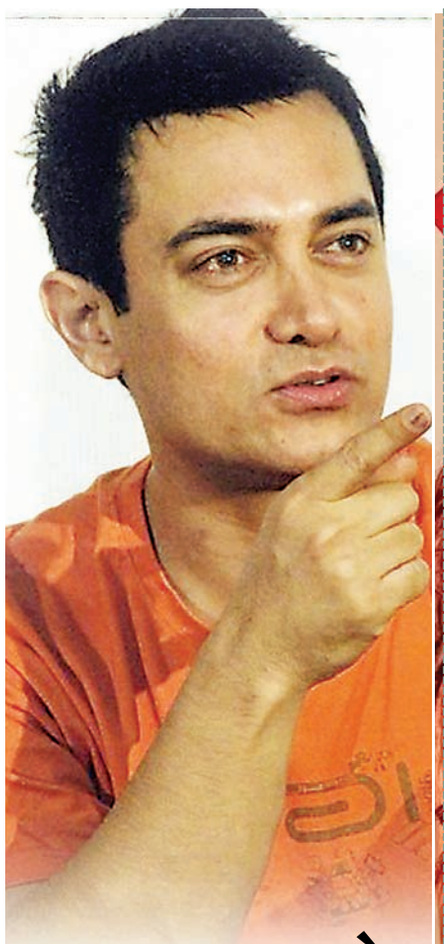

महाभारत बनाने से क्यों डरे हुए हैं आमिर खान

आमिर खान वर्तमान में अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म लापता लेडीज के प्रचार में व्यस्त हैं, क्योंकि यह ऑस्कर 2025 में भारत की आधिकारिक एंट्री बन गई है। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में अभिनेता ने अधिक फिल्में बनाने, नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने और अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात की। उन्होंने महाभारत फिल्म पर काम करने के विचार के बारे में भी बात की।

आमिर खान का बयान

उन्होंने महाभारत पर फिल्म बनाने के बारे में आगे बात की और कहा, खैर, यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है और यह एक बहुत ही डरावना प्रोजेक्ट है। इतना बड़ा और मुझे इसे गलत करने का डर है। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि भारतीयों के रूप में यह हमारे लिए बहुत करीब है। यह हमारे खून में है, इसलिए मैं इसे सही करना चाहता हूं। मैं हर भारतीय को गौरवान्वित करना चाहता हूं। मैं दुनिया को यह भी दिखाना चाहता हूं कि भारत के पास क्या है। मुझे नहीं पता कि यह होगा या नहीं, लेकिन यह कुछ ऐसा है, जिस पर मैं काम करना चाहता हूं तो चलिए देखते हैं।

फिल्म का बजट

लेखक अंजुम रजबअली ने 2018 में एक कार्यक्रम में मीडिया को बताया कि आमिर खान महाभारत पर आधारित एक हाई बजट वाली फिल्म बनाने के विचार पर काम कर रहे थे। वास्तव में उसी वर्ष उन्होंने राकेश शर्मा की बायोपिक से बाहर निकलकर उस फिल्म पर काम करना शुरू कर दिया, जिसके बारे में अफवाह थी कि इसका बजट 1000 करोड़ रुपये होगा।

आने वाली फिल्म

इस बीच आमिर खान ने अपनी पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बाद अभिनय से ब्रेक ले लिया था। अब अभिनेता फिल्म सितारे जमीन पर से वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में आमिर, दर्शील सफारी और जेनेलिया देशमुख मुख्य भूमिकाओं में हैं। आरएस प्रसन्ना इस सीक्वल का निर्देशन कर रहे हैं, जो 2018 की स्पेनिश फिल्म चैंपियंस पर आधारित है। फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इसे 2025 में रिलीज किया जाना है।

अशनूर ने फिल्म शूटिंग में फिटनेस चैलेंज का सामना किया

एक्ट्रेस अशनूर कौर की फिल्म किसको था पता जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का डायरेक्शन फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा की पत्नी, रत्ना सिन्हा ने किया है। अशनूर इससे पहले रणबीर कपूर की संजू और तापसी पन्नू की मनमर्जियां में सपोर्टिंग एक्टर के तौर पर काम कर चुकी हैं। हालांकि, यह उनकी पहली फिल्म बतौर लीड होगी। हाल ही में बातचीत के दौरान, एक्ट्रेस ने अपने शूटिंग अनुभव और फिटनेस चैलेंज के बारे में खुलकर बात की। अशनूर ने बताया कि कैसे चोट की वजह से शूटिंग के दौरान उनका वजन बढ़ गया था। वह अपनी फिटनेस के प्रति बहुत सतर्क थीं। उन्होंने कहा, मुझे घुटनों में चोट लग गई थी, इसलिए शूटिंग के दौरान मेरी फिटनेस रूटीन रुक गई थी। अगले दिन एक बाइक सीक्वेंस शूट होना था, जो कि स्क्रिप्ट में नहीं था, लेकिन मैंने डायरेक्टर को बताया कि मुझे बाइक चलानी आती है और मैं कर सकती हूं। वह सीन खास तौर पर शामिल किया गया था। फिर अगले दिन ही शूट नहीं हो सका क्योंकि मेरी चोट के कारण मुझे काफी दर्द हो रहा था। मेरी फिटनेस रूटीन भी रुक गई, तो मुझे अपनी डाइट को लेकर और सतर्क होना पड़ा। अगर आप फिल्म देखेंगे तो शायद आपको मेरी फ्लक्टूएटिंग फिजिक नजर आए। कभी ज्यादा वजन दिख रहा था तो कभी नॉर्मल। इसलिए, शूटिंग के दौरान मैं अपने वजन को लेकर काफी जागरूक थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें इस किरदार के लिए कोई फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करना पड़ा, तो अशनूर ने कहा, ज्यादा समय नहीं मिला, मुझे करना था लेकिन नहीं हो पाया। हमने कोशिश की और बेस्ट किया। इन दिनों, अशनूर डेली सोप सुमन इंदोरी में काम कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी शेयर किया कि कैसे उन्होंने इस फिल्म के प्रमोशन को प्राथमिकता देने के लिए डेली सोप से ब्रेक लिया और दोनों कामों को बैलेंस करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मुश्किल तो है क्योंकि जाहिर है, शो में मेरा डुप्लिकेट शूट हो रहा है, बॉडी डबल का इस्तेमाल हो रहा है। लोग कहते हैं कि आप दो चीजें एक साथ नहीं कर सकते या एक ही काम कर सकते हैं एक बार में, लेकिन मुझे लगता है कि नहीं, आपको बस उसे बैलेंस करना चाहिए। आप दोनों चीजें कर सकते हैं, बस उसे मैनेज करना होगा और दोनों काम अच्छे से कर सकते हैं। फिल्म में किरदार श्रेया के लिए अशनूर ने बताया, हमारे वर्कशॉप हुए थे। आपको अपने किरदार के लिए काम करना पड़ता है इससे पहले कि वह स्क्रीन पर आए। मुझे बहुत कम समय मिला, सच कहूं तो, बाकी लोग इस पर महीनों से काम कर रहे थे। मुझे सिर्फ एक हफ्ता मिला, लेकिन उसमें रत्ना मॅम की गाइडेंस और डायरेक्शन, हर विजन को समझने में मदद मिली। यह एक लंबी प्रोसेस थी, जिसे हमने एक हफ्ते में पूरा किया और फ्लोर पर उतर गए।

नितिन और श्रीलीला की फिल्म रॉबिनहुड की रिलीज आगे खिसकी

नितिन और श्रीलीला की आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म रॉबिनहुड को लेकर निर्माताओं ने एक अहम जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसे देखने के बाद नितिन और श्रीलीला के प्रंशसक थोड़ा निराश हो सकते हैं। साउथ अभिनेता नितिन और पुष्पा 2 द रूल में किसिक सॉन्ग से सभी का दिल जीत चुकीं श्रीलीला अब फिल्म रॉबिनहुड में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी, जिसको माइथ्री मूवी मेकर द्वारा निर्मित किया जा रहा है, लेकिन जहां यह फिल्म पहले अपनी निर्धारित तारीख पर रिलीज की जा रही थी, वहीं अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया हैंडल पर नई रिलीज डेट के लिए एक पोस्ट शेयर किया है।

रॉबिनहुड की नई रिलीज डेट

पुष्पा 2 द रूल के निर्माता माइथ्री मूवी मेकर अब अपने अगले प्रोजेक्ट रॉबिनहुड के लिए कमर कस रहे हैं। उनका अगला प्रोजेक्ट का नाम है रॉबिनहुड। इस फिल्म में नितिन और श्रीलीला रोमांस करते नजर आएंगे। लेकिन फिल्म निर्माताओं ने जहां इसकी रिलीज डेट पहले 25 दिसंबर, क्रिसमस पर रखी थी। अब उन्होंने इसे बदलने का फैसला लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में पहले रश्मिका मंदाना को लिया जा रहा था, लेकिन कुछ कारणों की वजह से अब इस फिल्म में मुख्य किरदार में श्रीलीला नजर आएंगी। ऐसा पहली बार है जब किसी फिल्म में नितिन और श्रीलीला की जोड़ी नजर आएगी।

एक्स पर माइथ्री मूवी मेकर्स को पोस्ट

माइथ्री मूवी मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों की वजह से फिल्म रॉबिनहुड की रिलीज डेट 25 दिसंबर टाल दी गई है, जल्द ही इसकी जगह एक नई रिलीज डेट जारी की जाएगी। अपने एक्साइटमेंट को थामे रखें क्योंकि एंटरटेंमेंट देखने लायक होगा, जब यह फिल्म सिनेमाघरों में आएगी तो आपका अनुभव भुलाने लायक नहीं होगा।

फियर के साथ साल का अंत करना शानदार रहा

अभिनेत्री वेधिका कुमार अपनी हालिया रिलीज फियर को लेकर उत्साहित हैं। साल के अंत को लेकर अभिनेत्री ने कहा, फियर के साथ साल का अंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद और शानदार रहा। अभिनेत्री ने अपनी हालिया रिलीज फियर के साथ इस साल रिलीज अपनी अन्य पांच फिल्मों के बारे में भी बताया। वेधिका ने कहा, जब ईश्वर की कृपा होती है, तो जादू होता है। 2023 से मेरी यात्रा ऐसी ही रही है और मैं अपने प्रशंसकों, दुनिया और अपने शुभचिंतकों के प्रति कृतज्ञता से भरी हुई हूं। एक साल में पांच फिल्में रिलीज होना वास्तव में खास है, खासकर जब हर प्रोजेक्ट मुझे अलग-अलग तरीकों से चुनौती देता है और मुझे अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। साल की मजबूत शुरुआत करना और अब इसे फियर के साथ समाप्त करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद लगता है। मैं सराहना के लिए आभारी हूं और मुझे उम्मीद है कि यह गति मुझे 2025 में और भी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। 'फियर' का ट्रेलर आर. माधवन ने जारी किया था। वेधिका उनके साथ गर्मजोशी से भरा गहरा रिश्ता शेयर करती हैं। वेधिका की झोली में कई शानदार प्रोजेक्ट हैं। इसमें एक तमिल फिल्म भी शामिल है। वेधिका कुमार मुख्य रूप से तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। अपने शोबिज करियर की शुरुआत में वह ज्यादातर मॉडलिंग असाइनमेंट में दिखाई दीं। अभिनेत्री को 'मद्रासी' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए अर्जुन ने संपर्क किया था। 'मद्रासी' की रिलीज के बाद, वेधिका को हिंदी फिल्म 'जय संतोषी मां' में एक भूमिका की पेशकश की गई थी, लेकिन फिल्म नहीं बन पाई। वेधिका ने साउथ इंडियन फिल्मों में काम करना जारी रखा और कई शानदार फिल्में दीं।

अक्षय कुमार की स्काई फोर्स की शूटिंग पूरी

नए साल की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और इसके साथ ही 2025 में कुछ रोमांचक बॉलीवुड फिल्में भी धूम मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इनमें से एक बहुप्रतीक्षित एरियल एक्शन फिल्म स्काई फोर्स है, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक जोड़ी संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने हाल ही में घोषणा की कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि यह फिल्म बनानी मुश्किल थी।

फिल्म की शूटिंग पूरी

16 दिसंबर, 2024 को आगामी फिल्म स्काई फोर्स के निर्देशकों ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर साझा किया कि शूटिंग पूरी हो गई है। संदीप केवलानी ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं स्काई फोर्स पर काम करने वाले सभी लोगों का बहुत आभारी हूं। फिल्म को बनाना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह क्रू का समर्पण है, जिसने इसे संभव बनाया।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

अक्षय कुमार के साथ कलाकारों में सारा अली खान , निमरत कौर, नवोदित वीर और शरद केलकर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। संदीप केवलानी और अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजान, अमर कौशिक और ज्योति देशपांडे ने किया है। स्काई फोर्स 24 जनवरी, 2025 को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

एटली का मजाक उड़ाने को लेकर हुई ट्रोलिंग पर कपिल शर्मा ने तोड़ी चुप्पी

कॉमेडियन-अभिनेता कपिल शर्मा ने आखिरकार एटली विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने नेटफ्लिक्स शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो पर एटली के बारे में अपनी टिप्पणियों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी फिल्म निर्माता के लुक के बारे में टिप्पणी नहीं की। ट्रोल्स को जवाब देते हुए उन्होंने उनसे नफरत न फैलाने का आग्रह किया।

ट्रोल्स को कपिल का जवाब

सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं के बीच कपिल शर्मा ने एक एक्स यूजर को जवाब दिया और खुद पर एटली के लुक का अपमान करने के लगे आरोपों पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने लिखा, प्रिय महोदय, क्या आप कृपया मुझे समझा सकते हैं कि मैंने इस वीडियो में लुक के बारे में कब और कहां बात की? कृपया सोशल मीडिया पर नफरत न फैलाएं। लोग खुद देखें और फैसला करें, भेड़ की तरह किसी के ट्वीट को फॉलो न करें।

कपिल ने एटली का उड़ाया मजाक

हाल ही में बेबी जॉन की कास्ट द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आए, जिसमें वरुण धवन, कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और फिल्म के को-प्रोड्यूसर एटली शामिल थे। शो के दौरान कपिल ने बताया कि शाहरुख खान की फिल्म जवान की सफलता के बाद एटली कैसे एक बड़े डायरेक्टर और प्रोड्यूसर बन गए हैं। इस पर कपिल शर्मा ने एटली से पूछा, जब आप पहली बार किसी स्टार से मिलते हैं तो क्या वे पूछते हैं कि एटली कहां हैं?

एटली ने दिया यह जवाब

एटली ने स्थिति को बहुत अच्छे से संभाला। उन्होंने जवाब दिया, एक तरह से, मैं आपके सवाल को समझ गया। मैं जवाब देने की कोशिश करूंगा। मैं वास्तव में एआर मुरुगादॉस सर का बहुत आभारी हूं, क्योंकि उन्होंने मेरी पहली फिल्म बनाई थी। उन्होंने स्क्रिप्ट मांगी, लेकिन यह नहीं देखा कि मैं कैसा दिख रहा हूं या मैं इसके लिए सक्षम हूं या नहीं, लेकिन उन्हें मेरा नेरेशन पसंद आया। मुझे लगता है कि दुनिया को यह देखना चाहिए। हमें दिखावे से नहीं आंकना चाहिए। आपको अपने दिल से आंकना चाहिए।

गेम चेंजर की विदेश में शुरू हुई एडवांस बुकिंग, राम चरण ने की घोषणा

राम चरण और कियारा अडवाणी की बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय राजनीतिक ड्रामा फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी, 2025 को संक्रांति के अवसर पर रिलीज के लिए तैयार है। लेकिन उससे पहले गेम चेंजर की एडवांस बुकिंग को लेकर राम चरण ने अपने एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जानकारी शेयर की है, जिसके अनुसार फिल्म गेम चेंजर की विदेश में एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। राम चरण और शंकर की जोड़ी ने फिल्म को लेकर प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी है, जिसे देखकर लग रहा है कि फिल्म गेम चेंजर निश्चित रूप से शानदार शुरुआत करेगी। ऐसा पहली बार में जब किसी फिल्म में राम चरण के साथ कियारा आडवाणी की जोड़ी नजर आई हो। प्रशंसक दोनों की जोड़ी को पहले ही गेम चेंजर के टीजर, ट्रेलर और गानों में पसंद कर चुके हैं। राम चरण ने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक विशाल वैश्विक तूफान शुरू हो गया है। गेम चेंजर की विदेशी बुकिंग अब शुरू हो गई है। गेम चेंजर की एडवांस बुकिंग यूके और उत्तरी अमेरिका जैसे प्रमुख विदेशी चुनिंदा सिनेमाघरों में खुली और इसे प्रशंसकों से जोरदार प्रतिक्रिया मिली। गेम चेंजर में बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी के अलावा एसजे सूर्या, अंजलि, श्रीकांत, नवीन चंद्रा, सुनील के अलावा भी कई कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।